

33 साल पहले आया आमिर-जूही का 'चटपटा' गीत, कुमार सानू और अलका ने दी आवाज; 90'२ की लड़कियों का है फेवरेट


# रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 17

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 316 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 14 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 5 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया


## पीएम ने सीएम का हाथ पकड़ मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

● बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के नए हिस्से का किया उद्घाटन, राज्यपाल थीं साथ

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के 7.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड हिस्से का उद्घाटन किया। यह हिस्सा कलेना अग्रहारा से एसजी पालया तक है। इसके शुरू होने के साथ ही बेंगलुरु का चालू मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अपने पास बुलाया और उनका हाथ पकड़कर अपने बगल में खड़ा किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने मिलकर नई मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। बाद में प्रधानमंत्री ने राज्यपाल सुधा यादव को भी हरी झंडी सौंपी। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी टिकट काउंटर पहुंचे और अतिथियों के साथ मेट्रो का टिकट खरीदा। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री शिवकुमार,




राज्यपाल और मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा के साथ मेट्रो में यात्रा की। इस दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच हल्के-फुल्के पल भी देखने को मिले।

### 3470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ हिस्सा

पिंक लाइन का यह एलिवेटेड हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें छह स्टेशन शामिल हैं। ये कलेना अग्रहारा, हुलिमावु, बिलेकाहल्ली-आईआईएमबी, एनएस पालया-जेपी नगर चौथा चरण, जयादेवा अस्पताल और एसजी पालया हैं। यह कॉरिडोर बैनरघट्टा रोड के साथ बनाया गया है। जयादेवा अस्पताल स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। नए हिस्से पर मेट्रो सेवाएं शनिवार, 14 नवंबर से आम जनता के लिए शुरू होंगी। इससे बैनरघट्टा रोड और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे सड़क यातायात का दबाव और यात्रियों का सफर का समय भी कम हो सकता है। पूरी तरह तैयार होने के बाद पिंक लाइन 21.25 किलोमीटर लंबी होगी। यह दक्षिण बेंगलुरु के कलेना अग्रहारा को उत्तर बेंगलुरु के नागवारा से जोड़ेगी। इस लाइन पर कुल 18 स्टेशन होंगे, जिनमें छह एलिवेटेड और 12 भूमिगत स्टेशन शामिल हैं।

## उग्रवादियों ने फिर खेला खूनी खेल

● मणिपुर में 2 कारों पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत 4 की मौत

**इंफाल (एजेंसी)।** मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर 'न्यू हेवन' इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं। कैलेजंग के पास के इलाके में दो विरोधी गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी।



### संघर्ष में 306 लोगों की हो चुकी है मौत

मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं।

**संक्षिप्त समाचार**

### राघोपुर-बिदुपुर 6 लेन पुल कहलाएगा 'नीतिश सेतु'

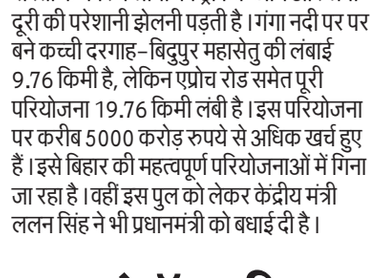
**पटना (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसका नामकरण राज्य सरकार की ओर से नीतिश सेतु किया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि नीतिश सेतु के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। करीब 9.76 किमी कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा



सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार देगा। इसके चालू होने से पटना से वैशाली पहुंचने में महज 20 से 25 मिनट लगेंगे। अभी इस रूट पर महात्मा गांधी सेतु और दूसरे रास्तों के कारण लोगों को ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी की परेशानी झेलनी पड़ती है। गंगा नदी पर पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु की लंबाई 9.76 किमी है, लेकिन एप्रोच रोड समेत पूरी परियोजना 19.76 किमी लंबी है। इस परियोजना पर करीब 5000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। इसे बिहार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गिना जा रहा है। वहीं इस पुल को लेकर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने भी प्रधानमंत्री को बधाई दी है।

### माइक्रोसॉफ्ट सिस्टम ठप, दिल्ली में कोहराम

**शिकागो (एजेंसी)।** माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से उड़ान भरने वाली 3 फ्लाइट्स रद्द कर दीं, जबकि दरभंगा और मुंबई जाने वाली 2 फ्लाइट्स लेट हुईं। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग की बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस, जापान के सरकारी सिस्टम और फिलीपींस की अदालतों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने को कहा गया है। इंडिगो और



अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की जरूरी ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से ठप हैं। ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे काम रुक गए हैं। खराबी का असर दफ्तरों तक ही नहीं रहा, बल्कि स्कूल, अस्पताल और कई देशों में सरकारी कामकाज भी ठप हो गए। वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर से अकेले माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक न चल पाने की 1.40 लाख से ज्यादा शिकायत मिली हैं। माइक्रोसॉफ्ट की तरफ से कहा गया है कि सिस्टम में खराबी सॉफ्टवेयर के गलत तरीके से अपडेट होने की वजह से आई, लेकिन अब तक इसे ठीक नहीं किया जा सकता है। **एयर इंडिया ने कहा- उड़ानों पर असर नहीं-** एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस में आई दिक्कत पर नजर रख रही है। फिलहाल उसकी फ्लाइट ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

## असम में भीषण सड़क हादसा 23 की मौत

● काजीरंगा जिले में मिनी बस और ट्रक की हुई भिड़ंत ● इनमें अधिकतर कॉलेज स्टूडेंट, आमने-सामने टकराए

**कांजीरंगा (एजेंसी)।** असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 23 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, न्यूज एजेंसी ने 12 मौतों की पुष्टि की है। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। टक्कर के बाद मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू टीम बस को काटकर शवों को बाहर निकाल रही है। बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी



नहीं आई है। गोलाघाट के एसएसपी स्वप्ननील डेका ने बताया कि मिनी बस बोकाखाट से नगांव की ओर जा रही थी। बस तेज रफ्तार में थी और काजीरंगा नेशनल पार्क के पास लागू पाबंदियों का पालन नहीं कर रही थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वह कंटेनर ट्रक से टकरा गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर काम किया।

### घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया

हादसे में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए कोहोरा अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल अधिकांश लोगों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोलाघाट के एसपी स्वप्ननिल डेका ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, हमें शुरुआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस को काटकर शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है।

### ट्रेवलर में सवार लोग कॉलेज स्टूडेंट बताए जा रहे

हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर कोहोरा रेंज में हाथीकुली चाय बागान के पास रंगाजन में हुई। ट्रेवलर में सवार लोग कॉलेज स्टूडेंट बताए जा रहे हैं। जिस ट्रक से टक्कर हुई है उस पर कर्नाटक का रजिस्ट्रेशन नंबर था। हादसे में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए कोहोरा अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल अधिकांश लोगों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोलाघाट के एसपी स्वप्ननिल डेका ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, हमें शुरुआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। एसपी ने कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा कोहोरा रेंज में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर हुआ। यह घटना हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन इलाके में हुई।

## पीएम फोन टेप करा रहे मेरे मोबाइल में है सबूत

● राहुल गांधी ने लगाया प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप ● बोले-आमने-सामने की बहस से सब साफ हो जाएगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी का दावा है कि उनके फोन की टैपिंग कराई जा रही है। मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप पर लोकसभा में नेता विपक्ष ने अपने चैनल एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनके पास अपने सभी आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मौजूद हैं और ये जानकारियां उनके फोन में भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में मौजूद हैं जिसे प्रधानमंत्री टैप करवा रहे हैं। मेरे फोन में ऐसी कई जानकारियां और सबूत हैं जो इन आरोपों को साबित कर सकते हैं।



### इन मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया

राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें संसद में कृषि कानूनों, वोट चोरी, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर), चीन, जनरल एमएम नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया।

## तीन आतंकियों के पोस्टर जारी

● 30 लाख का ईनाम, हिजबुल कमांडर पर शक

**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।




किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपये का नकद ईनाम देने की घोषणा की है।

### हिजबुल कमांडर जहांगीर सरूरी पर शक

इस वारदात में दच्छन इलाके में लंबे समय से सक्रिय हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर जहांगीर सरूरी उर्फ मोहम्मद अमीन सरूरी पर शक जताया जा रहा है। वह ए++ श्रेणी का आतंकी है और करीब 35 वर्षों से सक्रिय बताया जाता है। उसके साथ रियाज अहमद और मुदस्सिर हुसैन के भी सक्रिय होने की सूचना है। एसओजी लंबे समय से सरूरी की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस ने अब तीनों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पोस्टर जारी कर इनाम घोषित किया है। आतंकियों की तलाश में दच्छन के दुर्गम और घने जंगलों में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कियार से धरना-मरवाह तक के रास्ते की घेराबंदी कर अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा बल तलाशी अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन कैमरों और खोजी कुत्तों की मदद ले रहे हैं।

## बीजेपी का पक्ष लेने वाले जज कौन हैं, हमें उनकी लिस्ट दीजिए

● कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को लगाई फटकार

**कोलकाता (एजेंसी)।** कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस



के सांसद अभिषेक बनर्जी के न्यायपालिका और जस्टिस को लेकर की गई टिप्पणी को गंभीरता से लिया है। गुरुवार को उनकी याचिका सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सांसद अभिषेक बनर्जी को उन जजों की लिस्ट देनी चाहिए, जो बीजेपी का पक्ष लेते हैं। साथ ही उन्हें टीएमसी का समर्थन करने वाले जजों की सूची भी दें। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर के सांसद हैं। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उनकी सिक्युरिटी घटा दी गई। टीएमसी सरकार के दौरान उन्हें जेड+ श्रेणी की सुरक्षा दी जाती थी। अब वह वाय कैटिगरी की सिक्युरिटी दी गई है। अभिषेक बनर्जी ने अपनी सुरक्षा में कमी के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दे रखी है।

### कोर्ट ने कहा, टीएमसी समर्थक जजों की लिस्ट भी दें

एडिशनल एडवोकेट जनरल ने हाई कोर्ट को बताया कि अभिषेक बनर्जी की टिप्पणी क्रिमिनल कंटेम्ड के दायरे में आती है। बनर्जी ने जज पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट को हल्के में नहीं लिया जा सकता। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन कोर्ट इन सबसे ऊपर है। आप लिस्ट दें।

### बर्थडे पर सांसद बनर्जी ने किया था जज पर भी कमेंट

हंगामे के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने जूडिशरी सिस्टम और जज पर तीखी टिप्पणी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी के दबाव में उनके सुरक्षा घटाए जाने वाले मामले में आंशिक सुनवाई हुई है। उन्होंने जस्टिस कृष्णा राव का नाम लेते हुए कहा कि इस केस को वेकेशन बेंच में आइटम नंबर 16 के रूप में लिस्ट किया गया था। जज ने आइटम नंबर 15 तक के मामलों की सुनवाई की और फिर उठ गए। सांसद अभिषेक बनर्जी यही नहीं रुके। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका मूकदर्शक बनी हुई है। हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। आज पूरे बंगाल में जो तोड़फोड़ हो रही है, वह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की वजह से हो रही है। इन गुंडों को हिम्मत इसलिए मिल रही है क्योंकि न्यायपालिका मामलों को पेंडिंग रख रही है। उन्होंने कहा कि अगर सच बोलने के लिए मुझे जेल जाना पड़े, तो मैं तैयार हूं।

**अच्छी खबर**

**एक ड्रोन ने बदल दी झारखंड की घरेलू महिला की जिंदगी**

## 'पायलट भाभी' कहता है पूरा गांव, मोदी भी हुए मुरीद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कहते हैं न घर की महिला अगर कुछ करने को ठान ले तो किसी भी कठिन चुनौती को आसान बना देती है। जी हां आज हम आपलोगों को एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं जो कि अब पूरे गांव में 'पायलट भाभी' के रूप में फेमस हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महिला की मुरीद हो गए हैं और खुद उन्होंने इसकी कहानी बताई। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी के जरिए महिलाओं की सामाजिक हैसियत भी बदल रही है। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने 'पायलट भाभी' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खेती के कामों में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं का सम्मान कैसे बढ़ रहा है मैं इसका एक उदाहरण देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं झारखंड की एक ड्रोन दीदी से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उनका स्टेटस पूरी तरह बदल गया है। मैंने उनसे पूछा क्यों। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव उन्हें पायलट भाभी कहता है। यहां तक कि उनके देवर भी उन्हें 'पायलट भाभी' कहते हैं।

### पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बताया



पीएम नरेंद्र मोदी ने 'नमो ड्रोन दीदी स्कीम' के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले लोग गांव में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह से भरोसा नहीं जताते थे और कहते थे कि यह गांव में सफल नहीं हो पाएगा। लेकिन अब 'नमो ड्रोन दीदी स्कीम' ने गांव की सोच पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इस पहल के तहत ट्रेंड महिलाएं कैसे फर्टिलाइजर और कीटनाशकों का स्प्रे करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि खेती में ड्रोन एप्लीकेशन का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है और महिलाएं इसमें और अधिक रुचि दिखा रही हैं। बता दें कि नवंबर 2023 में केंद्र सरकार ने 1261 करोड़ रुपये के खर्च के साथ नमो कृष्णा स्कॉब्स को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को 15000 खेती के लिए समर्पित करना था। इस पहल में गांव की महिलाओं को फर्टिल ब्रायन और पेस्टीसाइड स्पाइडर करने के लिए ब्रेकफास्ट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे उन्हें और अधिक रोजगार मिलता है और खेती में सेवा देने वाली बनने में मदद मिलती है।

## अनमोल वचन

वैदिक शास्त्रों में चार पुरुषार्थों का वर्णन है– धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष। कुछ विद्वानों का मत है कि धर्म से मोक्ष की प्राप्ति होती है और अर्थ से काम सधता है। मनुष्य के लिए श्रेयस्कर है कि वह धर्म मार्ग पर चलते हुए अर्थोपार्जन करे। इस प्रकार से प्राप्त धन का सदुपयोग अपनी कामनाओं की पूर्ति में करेंगे तो सफलता मिलेगी। यदि धन का सदुपयोग ईश्वर की सृष्टि को सुंदर बनाने में करेंगे तो मोक्ष प्राप्त होगा। ईश्वर की यह सृष्टि रहने योग्य बनी रहे, कोई ऐसा कार्य न करें जिससे पर्यावरण को हानि पहुँचे। इंसान एक-दूसरे पर विश्वास करें और कभी भी किसी के साथ विश्वासघात न करें। यदि यह संभव हो जाए तो कहा जा सकता है कि यह धरती ही स्वर्ग है। धन, जिसे लक्ष्मी भी कहा गया है, वह विकास की ओर बढ़ने का एक माध्यम है। लक्ष्मी को माता समझें, उनका सम्मान करें। उसे अपने जीवन को विकसित तथा सामर्थ्यवान बनाने के लिए उपयोग करें, न कि भोग-विलास के लिए। आवश्यकतानुसार व्यय करना, उपयोगी कार्यों में ही धन लगाना, नीतिपूर्वक श्रम तथा न्याय से धनोपार्जन करना, बजट बनाकर क्षमतानुसार व्यय करना और आर्थिक संतुलन बनाए रखना– ये सब लक्ष्मी का सम्मान है।

# मुजफ्फरनगर में 47वें यूपी पेडिकॉन-2026 का भव्य शुभारंभ, देशभर के 500 से अधिक बाल रोग विशेषज्ञ होंगे शामिल

*एनएच-58 स्थित होटल द मेड लाइन में सजा बाल चिकित्सा का बड़ा मंच, तीन दिन तक नवजात शिशुओं की देखभाल*

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर में पहली बार राज्यस्तरीय बाल चिकित्सा सम्मेलन 47वें यूपी पेडिकॉन-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। एनएच-58 स्थित होटल द मेड लाइन में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक बाल रोग विशेषज्ञ, वरिष्ठ चिकित्सक और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे। 13 से 15 नवंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों, नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों, आधुनिक उपचार पद्धतियों और बाल चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा।




पहली बार मुजफ्फरनगर को मिली मेजबानी

उत्तर प्रदेश इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (यूपीआईएपी) की ओर से आयोजित इस सम्मेलन की जिम्मेदारी इस वर्ष मुजफ्फरनगर को सौंपी गई है। जिले में पहली बार इतने बड़े स्तर पर राज्यस्तरीय बाल चिकित्सा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति के चेयरपर्सन डॉ. रविन्द्र जैन, अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार और सचिव डॉ. अभिषेक यादव के संयुक्त प्रयासों से सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में हुए शैक्षणिक सत्र

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य बाल चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और आधुनिक उपचार पद्धतियों से चिकित्सकों को परिचित कराना है। इसके माध्यम से चिकित्सकों को अपने अनुभव साझा करने, नई चिकित्सा तकनीकों को समझने और बच्चों के बेहतर उपचार के लिए नई संभावनाओं पर विचार करने का अवसर मिलेगा।

सम्मेलन के पहले दिन मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज, बेगराजपुर में शैक्षणिक गतिविधियों की शुरूआत की गई। यहां प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण और विभिन्न चिकित्सीय विषयों पर शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए। आगामी दो दिनों में होटल द मेड लाइन में विशेषज्ञों के व्याख्यान, शोध पत्रों की प्रस्तुतियां और विभिन्न विषयों पर परिचचाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बाल चिकित्सा के महत्वपूर्ण विषयों पर चिकित्सक अपने शोध और अनुभव साझा करेंगे।

47वें यूपी पेडिकॉन-2026 में चिकित्सा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इनमें चिकित्सा शिक्षाविद् डॉ. पीयूष गुप्ता, प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बकुल पारिख, दुर्लभ बीमारियों के विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता और बाल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सुमन सोन प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विनीत सक्सेना की उपस्थिति भी सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। इन विशेषज्ञों के व्याख्यानों के माध्यम से चिकित्सकों को बाल चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास, जटिल बीमारियों की पहचान और उनके आधुनिक उपचार की जानकारी मिलेगी।

नवजात शिशुओं की देखभाल से लेकर दुर्लभ बीमारियों तक पर चर्चा

तीन दिवसीय सम्मेलन में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। इनमें नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल, समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों का उपचार, बच्चों में पोषण संबंधी समस्याएं, टीकाकरण, संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामने आ रही नई चुनौतियां प्रमुख हैं। इसके अलावा गंभीर बाल रोगों के आधुनिक उपचार, दुर्लभ बीमारियों की पहचान, बेहतर चिकित्सा प्रबंधन और उपचार की नई तकनीकों पर भी विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। चिकित्सकों के बीच इस बात पर भी चर्चा होगी कि बदलते समय में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा पद्धतियों में किस प्रकार सुधार किया जा सकता है।

चिकित्सकों को नई तकनीकों से जोड़ना सम्मेलन का उद्देश्य

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान में लगातार नए शोध और तकनीकें सामने आ रही हैं। बाल चिकित्सा के क्षेत्र में भी उपचार की आधुनिक विधियां विकसित हो रही हैं। ऐसे में चिकित्सकों के लिए जरूरी है कि वे समय-समय पर अपने ज्ञान को अद्यतन करें और दूसरे विशेषज्ञों के अनुभवों से सीखें। यूपी पेडिकॉन-2026 इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है।

अलग-अलग चिकित्सकों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विभिन्न चिकित्सकों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन की जिम्मेदारी डॉ. हरीश कुमार, डॉ. रश्मि गोयल और डॉ. समर्थ संभाल रहे हैं। कैटरिंग व्यवस्था का दायित्व डॉ. प्रदीप कुमार को दिया गया है, जबकि आर्थिक सहयोग से संबंधित जिम्मेदारियां डॉ. ईश्वर चंद्रा और डॉ. गिरीश कुमार देख रहे हैं। इसी प्रकार डॉ. संगीता सिंघल, डॉ. निधि मलिक और डॉ. गरिमा सहित अन्य चिकित्सक मंच संचालन और आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। आयोजन समिति के सभी सदस्य सम्मेलन को सुव्यवस्थित और सफल बनाने में जुटे हैं।

## कोहरे में हादसे रोकने के लिए सड़क पर उतरी यातायात पुलिस, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भैंसा बुग्गियों पर लगवाई रिफ्लेक्टर टेप

*यातायात माह के तहत मंसूरपुर मिल क्षेत्र में चलाया विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, रात और कम दृश्यता में दूर से चमकेंगे वाहन; पीछे से टक्कर होने की आशंका कम करने की पहल*



मुजफ्फरनगर। सर्दी का मौसम शुरू होने के साथ ही कोहरे और कम दृश्यता के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और गन्ना बाहुल्य इलाकों में बिना रिफ्लेक्टर के चलने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और भैंसा बुग्गियां रात के समय दूसरे वाहन चालकों के लिए खतरा बन सकती हैं। ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा की दिशा में विशेष अभियान शुरू किया है। यातायात माह नवंबर-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को मंसूरपुर मिल क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भैंसा बुग्गियों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगवाई गई। इस पहल का उद्देश्य कोहरे और अंधेरे में वाहनों की पहचान आसान बनाकर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय और पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व प्रभारी यातायात उपनिरीक्षक राकेश कुमार ने किया। यातायात पुलिस की टीम ने मंसूरपुर मिल क्षेत्र में पहुंचकर वहां से गुजरने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भैंसा बुग्गियों पर विशेष ध्यान दिया। अभियान के दौरान इनके पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगवाई गई, ताकि पीछे से आने वाले वाहन चालकों को दूर से ही इनकी मौजूदगी का संकेत मिल सके।

रात में दूर से दिखाई देंगे ट्रैक्टर-ट्रॉली और भैंसा बुग्गियां

दरअसल, गन्ने के सीजन में ग्रामीण और मुख्य मार्गों पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का आवागमन रहता है। कई बार इन वाहनों के पीछे कोई ऐसी व्यवस्था नहीं होती, जिससे रात के अंधेरे या घने कोहरे में दूसरे वाहन चालकों को उनकी मौजूदगी का समय रहते पता चल सके। ऐसे में पीछे से आने वाले तेज रफ्तार वाहन टक्कर मार सकते हैं।रिफ्लेक्टर टेप लगाए जाने से वाहनों पर पड़ने वाली दूसरी गाड़ियों की रोशनी वापस परावर्तित होती है, जिससे कम दृश्यता में भी वाहन की पहचान करना आसान हो जाता है। यातायात पुलिस ने इसी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भैंसा बुग्गियों पर रिफ्लेक्टर लगवाए।

गन्ना सीजन को देखते हुए अभियान का विशेष महत्व

मंसूरपुर मिल क्षेत्र में गन्ने की ढुलाई के चलते ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का आवागमन लगातार बना रहता है। सर्दियों में सुबह और देर रात कोहरा छाने से सड़क पर दृश्यता काफी कम हो जाती है। ऐसे में बिना रिफ्लेक्टर वाले वाहन दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। यातायात पुलिस का यह अभियान ऐसे वाहनों को सुरक्षित बनाने के साथ ही वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील

मुजफ्फरनगर पुलिस ने आमजन और वाहन चालकों से अपील की है कि कोहरे के मौसम में वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। अपने वाहनों पर आगे और पीछे आवश्यक रिफ्लेक्टर लगवाएं, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और सड़क पर चलते समय पर्याप्त दूरी बनाए रखें। कोहरे में जल्दबाजी और लापरवाही से बचें तथा वाहन चलाते समय दूसरे वाहन चालकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। यातायात पुलिस का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात माह के दौरान इस तरह के जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि कोहरे के मौसम में होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

## भोपा क्षेत्र की गंग नहर में कूदा युवक: गहरे पानी में समाया युवक, तलाश जारी

*दो दिन में नहर में कूदने की दूसरी घटना, एक बुजुर्ग की भी तलाश जारी*

मोरना (मुजफ्फरनगर)। शुक्रवार शाम मोरना के पास स्थित गंग नहर में एक 18 वर्षीय युवक के कूदने की खबर ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। युवक पुल पर अपने कपड़े और जूते छोड़कर गहरे पानी में समा गया। जौली चौकी पुलिस और स्थानीय ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था। थाना क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग के निवासी विक्की पुत्र श्रवण, उम्र 18 वर्ष, शुक्रवार शाम को मोरना-बेलड़ा मार्ग पर गंग नहर के पुल पर बदहवास हालत में पहुंचा। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विक्की ने पुल पर अपने कपड़े और जूते उतारकर रख दिए। इससे पहले कि राहगीर और ग्रामीण कुछ समझ पाते, उसने नहर में छलांग लगा दी। पुलिस और ग्रामीणों ने की



तलाश सूचना मिलते ही जौली चौकी प्रभारी सुमित कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से तुरंत नहर में युवक की तलाश शुरू कराई। गोताखोरों की मदद से पानी में दूर तक खोजबीन की गई, लेकिन देर शाम तक विक्की का कोई पता नहीं चल सका। इकलौते बेटे का नहीं मिला सुराग

नहर में समाया विक्की अपने परिवार का इकलौता पुत्र है और उसके पिता श्रवण की कुछ वर्ष पूर्व बिजली के हादसे में मौत हो गई थी। इकलौते बेटे के नहर में लापता होने की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। उसकी माता मंजू, बहन अन्नू व दिव्या का रो-रोकर बुरा हाल है। दो दिनों में दूसरी घटना, क्षेत्र में पसरी सनसनी गौरतलब है कि यह दो दिनों के भीतर नहर में कूदने की दूसरी घटना है। इससे पहले, बुधवार को कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला सुभाष चौक निवासी 68 वर्षीय ब्रजपाल सिंह पुत्र बिशम्बर ने भी बेलड़ा पुल से गंग नहर में छलांग लगा दी थी। उनकी तलाश भी लगातार जारी है। दो दिनों में दो लोगों के नहर में लापता होने की खबरों से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है और पुलिस दोनों की तलाश में सक्रिय है।

## चलती कार में लगी भीषण आग, महिला और चालक ने कूदकर बचाई जान, बड़ा हादसा टला

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर गांव देवल के समीप शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। कार में सवार महिला और चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कार से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।




जानकारी के अनुसार, जनपद बिजनौर निवासी पल्लवी पत्नी चंद्रप्रकाश अपने कार चालक कुंवर सिंह पुत्र राजेंद्र के साथ दिल्ली से कार द्वारा बिजनौर लौट रही थीं। जैसे ही उनकी कार दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर गांव देवल के समीप पहुंची, तभी अचानक कार में आग लग गई। आग लगते ही महिला और चालक ने तुरंत कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कार धू-धूकर जलने लगी। कार में आग लगी देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पास स्थित मोंटी रेस्टोरेंट से अग्निशमन सिलेंडर मंगवाकर स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। इस दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई थी।कार में आग लगने के चलते कुछ समय तक राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों का आवागमन बाधित रहा। आग बुझने के बाद पुलिस ने जली हुई कार को सड़क से हटवाकर एक ओर खड़ा कराया। रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि चलती कार में अचानक आग लग गई थी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। कार सवार महिला और चालक को सुरक्षित उनके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है।

# मुजफ्फरनगर: मोरना चीनी मिल ने 11 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का किया भुगतान: किसानों के खाते में भेजे 8.75 करोड़ रुपये

*दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड ने अब तक की 2.43 लाख कुंतल गन्ने की खरीद, समय पर भुगतान से किसानों में खुशी*

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पेराई सत्र के बीच क्षेत्र के गन्ना किसानों को बड़ी आर्थिक राहत देते हुए दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड, मोरना ने शुक्रवार को 8 करोड़ 75 लाख रुपये का गन्ना भुगतान जारी कर दिया है। मिल प्रशासन द्वारा यह पूरी धनराशि सीधे संबंधित किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई है।

11 नवंबर तक के गन्ने का भुगतान

क्लियर

मिल के मुख्य लेखाकार सलील खरे ने भुगतान की जानकारी देते हुए बताया कि मिल प्रशासन किसानों के हितों और समयबद्ध भुगतान को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में 11 नवंबर तक मिल में आपूर्ति किए गए गन्ने का कुल 8 करोड़ 75 लाख रुपये का भुगतान किसानों के बैंक खातों में भेज दिया गया है। मिल प्रबंधन का प्रयास है कि पेराई




सत्र के दौरान किसानों को किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा न हो और उन्हें गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर मिलता रहे।

अब तक 2.43 लाख कुंतल गन्ने की हुई खरीद

चीनी मिल की पेराई क्षमता और गन्ना खरीद की प्रगति पर जानकारी देते हुए मिल के प्रधान प्रबंधक वीपी पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान सत्र में मिल का संचालन सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर तक मिल में कुल 2 लाख 43 हजार कुंतल गन्ने की खरीद की जा चुकी है।

समय से भुगतान से किसान खुश

समय पर गन्ना भुगतान खातों में पहुंचने से क्षेत्र के गन्ना किसानों में उत्साह और संतोष का माहौल है। किसानों का कहना है कि समय से भुगतान मिलने से उन्हें अगली फसल की बुवाई, खाद-बीज की व्यवस्था और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में बड़ी सहूलियत मिलेगी।

# जानसठ में पुलिस ने शातिर युवक को दबोचा, दो अवैध तमंचे और तीन जिंदा कारतूस बरामद

*सलारपुर गांव से मुखबिर की सूचना पर हुई गिरफ्तारी, आरोपी के कब्जे से .315 और .12 बोर के तमंचे मिले; आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने शुरू की कानूनी कार्रवाई*

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध हथियार रखने और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जानसठ पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम सलारपुर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो अवैध तमंचे और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवी पाल उर्फ चांद पुत्र सुधीर पाल निवासी ग्राम सलारपुर, थाना जानसठ, उम्र करीब 19 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुखबिर की सूचना पर सलारपुर गांव में दबिश

पुलिस के अनुसार अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में जनपद में अपराधियों और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक तथा क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ अपराध नियंत्रण के लिए अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में 13 नवंबर को थाना जानसठ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सलारपुर में एक युवक अवैध हथियारों के साथ मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस



टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी में दो तमंचे और तीन कारतूस मिले पुलिस द्वारा पकड़े गए युवक की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक अवैध तमंचा .12 बोर और .12 बोर के तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने दोनों तमंचों और कारतूसों को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दो अलग-अलग बोर के तमंचे और जिंदा कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। बरामद हथियारों को लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

आयुध अधिनियम में दर्ज किया मुकदमा

जानसठ पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी लवी पाल उर्फ चांद के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 172/2026 धारा 9/25/27 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी और अवैध हथियारों की बरामदगी के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तीन सदस्यीय पुलिस टीम ने की गिरफ्तारी

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अक्षय कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार और कांस्टेबल सचिन कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि जनपद में अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

## दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार, खतौली पुलिस ने गांव जटवाड़ा से दबोचा

*दुष्कर्म, सामूहिक अपराध और धमकी से जुड़ी धाराओं में दर्ज था मुकदमा, पुलिस ने शुरू की आगे की कानूनी कार्रवाई*

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खतौली पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने दुष्कर्म सहित गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोमीन पुत्र सगीर निवासी ग्राम जटवाड़ा, थाना ककरौली, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को ग्राम जटवाड़ा स्थित उसके निवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके खिलाफ अग्रिम



विधिक कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोमीन के खिलाफ थाना खतौली में मुकदमा अपराध संख्या 277/2026 दर्ज है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(2), 61(3) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी इस मुकदमे में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपदभर में वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय चौधरी के नेतृत्व में थाना प्रभारी खतौली दिनेश चन्द्र ने पुलिस टीम को आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम ने तलाश और कार्रवाई करते हुए 13 नवंबर को आरोपी मोमीन को उसके गांव जटवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रदीप नारायण, हेड कांस्टेबल अमित कुमार, हेड कांस्टेबल मुनीश शर्मा और हेड कांस्टेबल नीरज शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

## कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

### सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गौतम कुमार पुत्र स्व0 श्री ओम सिंह, निवासी ग्राम-लिलौन, जनपद-शामली, 30प्र0 एवं श्री बलवान सिंह पुत्र श्री स्व0 श्री नारायण सिंह, निवासी ग्राम-छछरौली, तहसील-जानसठ, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, 30प्र0 एवं श्रीमती अनु पत्नी श्री चेतन कुमार, श्री संजीत कुमार पुत्र श्री अशोक कुमार, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, 30प्र0 के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0:-MZDA/PL/LU/202627/4775 के द्वारा अपनी भूमि मौहल्ला-दक्षिणी सिविल लाईन, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, 30प्र0 के कुल क्षेत्रफल 173.00 वर्गमी0 (कुल नेट क्षेत्रफल 173.00 वर्गमी0) पर "व्यावसायिक (मोटर व्हीकल शोरूम)" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल मौहल्ला-दक्षिणी सिविल लाईन, तहसील सदर, जिला-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार 25 मीटर चौड़े महायोजना मार्ग का विस्तार / मार्गाधिकार छोड़ने के उपरान्त "सामुदायिक सुविधाएं" भू-उपयोग में दर्शित है।

30प्र0 विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगूलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेगूलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 2.2 के अनुसार "सामुदायिक सुविधाएं" भू-उपयोग के अन्तर्गत "मोटर व्हीकल शोरूम" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगूलेशन / महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं / क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया / उपयोग (भले ही जोनिंग रेगूलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया / उपयोग सामान्यतः अनुमन्य / सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति / सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेंगे एवं इन आपत्तियों / सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति / सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

## कार्यालय डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी, मुजफ्फरनगर

संख्या: 44 / सी०एम०-प्रदर्शनी | दिनांक: 13-11-2026

### (ई-ऑक्शन सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी मैदान में टैंडर छूटने के दिनांक से 31-03-2028 तक प्रति मंगलवार मंगल पैठ बाजार का ठेका दिया जाना है। उक्त निविदा जेम पोर्टल पर दिनांक 14-11-2026 से दिनांक 19-11-2026 शाम 05 बजे तक प्रदर्शित रहेगी। उक्त ठेके हेतु जेम पोर्टल पर दिनांक 26-11-2026 प्रातः 10 बजे से दिनांक 27-11-2026 दोपहर 01 बजे तक निविदा दाताओं से निविदाएं आमंत्रित है। नियम व शर्तें जेम पोर्टल पर उपलब्ध है। ठेके के धनराशि पर जी०एस०टी० एंव अन्य सरकारी टैक्स अतिरिक्त है।

वेबसाइट:- https://gem.gov.in
ऑक्शन आईडी: 43320

नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी
डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी
मुजफ्फरनगर।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



# श्रीमद्भागवत कथा में तीन महिलाओं के सोने की चेन और डायमंड पेंडेंट चोरी, मचा हड़कंप

**रेशु प्रांगण में भीड़ का फायदा उठाकर शातिर महिलाओं ने उड़ाए लाखों के आभूषण, पांच संदिग्ध महिलाओं को पकड़कर पुलिस कर रही पूछताछ, सीओ सिटी ने मौके पर पहुंचकर ली जानकारी**

मुजफ्फरनगर। शहर के सर्कुलर रोड स्थित रेशु प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। कथा श्रवण और कलश यात्रा में शामिल होने पहुंचीं तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन और डायमंड पेंडेंट चोरी कर लिए गए। भीड़ का फायदा उठाकर अंजाम दी गई इन घटनाओं से कार्यक्रम स्थल पर हड़कंप मच गया। एक ही आयोजन में तीन महिलाओं के कीमती आभूषण चोरी होने से श्रद्धालुओं में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने शक के आधार पर पकड़ी गई पांच संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

कचौड़ी-सब्जी लेने पहुंचीं महिला के गले से चेन और डायमंड पेंडेंट गायब

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद निवासी राजबाला गोयल श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने के लिए रेशु प्रांगण पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि भोजन वितरण के दौरान वह प्लेट लेकर कचौड़ी-सब्जी लेने गई थीं। इसी दौरान पीछे से आई एक महिला ने उनके कंधे पर हाथ रखते हुए अपनी प्लेट आगे कर दी। उस समय उन्हें महिला की इस हरकत पर कुछ शक भी हुआ, लेकिन भीड़ के चलते वह कुछ समझ नहीं पाईं। बाद में जब उन्होंने अपने गले पर हाथ लगाया तो एक तोले की सोने की चेन और एक तोले का डायमंड पेंडेंट गायब मिला। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों को घटना की जानकारी दी।

अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर की महिलाओं के आभूषण भी चोरी

चोरी की दूसरी घटना में अलीगढ़ निवासी मीरा अग्रवाल को निशाना बनाया गया। उनके गले से करीब डेढ़ तोले की सोने की चेन और हैवी डायमंड पेंडेंट चोरी कर लिया गया। वहीं मुजफ्फरनगर निवासी रीना की ढाई तोले की सोने की चेन और लॉकेट भी गायब मिला। तीनों महिलाओं के साथ हुई चोरी की घटनाओं से कार्यक्रम में मौजूद लोगों में खलबली मच गई। महिलाओं ने अपने स्तर से भी आभूषणों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका।



पांच संदिग्ध महिलाओं को पकड़कर पुलिस को दी सूचना

लगातार तीन महिलाओं के आभूषण चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान शक के आधार पर पांच महिलाओं को पकड़ लिया गया। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पांचों महिलाओं से पूछताछ की। बताया गया कि पूछताछ के दौरान इन महिलाओं ने खुद को अलग-अलग शहरों का निवासी बताया है। इसके बाद पुलिस उन्हें अपने साथ थाने ले गई, जहां चोरी की घटनाओं में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित महिलाओं और कार्यक्रम में मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस पकड़ी गई पांचों महिलाओं से पूछताछ कर रही है। साथ ही चोरी गए आभूषणों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि तीनों घटनाओं को एक ही गिरोह ने अंजाम दिया है या इनके पीछे अलग-अलग लोग शामिल हैं।

सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की कमी पर उठाए सवाल

घटना के बाद पीड़ित महिलाओं ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे बड़े धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नजर नहीं आई। महिलाओं का कहना है कि आयोजन स्थल पर उचित निगरानी व्यवस्था होती तो इस तरह की घटनाओं को रोकने में मदद मिल सकती थी। एक ही कार्यक्रम में तीन महिलाओं के आभूषण चोरी होने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी पकड़ी गई महिलाओं की भूमिका

फिलहाल पुलिस पांचों संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ कर रही है। पुलिस का प्रयास चोरी गए सोने के आभूषणों की बरामदगी करने के साथ ही घटना में शामिल लोगों का पता लगाना है। पकड़ी गई महिलाओं की संलिप्तता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

# पटाखे से झुलसकर मासूम की मौत, मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचकर बंधाया ढांढस

*नई मंडी स्थित माड़ी की धर्मशाला पहुंचकर राज्यमंत्री ने जताई गहरी संवेदना, एक स्कूल के निदेशक और शिक्षिका के परिवार को इस अपूरणीय क्षति पर दी सांत्वना*

मुजफ्फरनगर। पटाखे से झुलसने के कारण मासूम बालक के असामयिक निधन की दुखद घटना से परिवार में शोक की लहर है। इस हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलने पर उत्तर प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने नई मंडी स्थित माड़ी की धर्मशाला पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और इस अपूरणीय क्षति पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। मृतक बालक के पिता मनोज गुप्ता एक पब्लिक स्कूल के निदेशक हैं, जबकि उनकी माता कविता गुप्ता एसएसडी पब्लिक स्कूल में शिक्षिका हैं। परिवार पर आए इस दुख को देखते हुए मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने परिजनों के साथ कुछ समय बिताया और उन्हें इस कठिन घड़ी में धैर्य बनाए



रखने का संबल दिया। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि एक मासूम बच्चे का इस प्रकार असमय दुनिया से चले जाना अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। माता-पिता के लिए संतान को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं हो सकता। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई किसी भी तरह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा परिवार जिस मानसिक पीड़ा से गुजर रहा है, उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। मंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति एवं संबल दें। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हैं। मासूम के निधन से परिवार को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसके प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं।

# 16 महीने से लापता किशोरी को एएचटीयू पुलिस ने सकुशल बरामद किया, एक आरोपी गिरफ्तार

*भोपा थाने में दर्ज था अपहरण और पॉक्सो एक्ट का मुकदमा, एसएसपी के निर्देश पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम ने की कार्रवाई; तिस्सा गांव का रहने वाला है गिरफ्तार आरोपी*

मुजफ्फरनगर। जनपद में गुमशुदा और अपहृत लोगों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने करीब 16 महीने से लापता किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। लंबे समय से लापता किशोरी की बरामदगी को पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

16 महीने से तलाश में जुटी थी पुलिस

पुलिस के अनुसार, किशोरी के लापता होने के मामले में थाना भोपा पर मुकदमा अपराध संख्या 248/25 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 61(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही पुलिस किशोरी की तलाश में जुटी थी। करीब 16 महीने तक उसका कोई पता नहीं चल सका था। जनपद में गुमशुदा और अपहृत लोगों की सकुशल बरामदगी तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण में एएचटी थाना



प्रभारी सत्येन्द्र सिंह नागर के नेतृत्व में पुलिस टीम किशोरी की तलाश में जुटी थी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम को सफलता मिली। पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को एएचटी थाना पुलिस की टीम ने करीब 16 महीने से लापता किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। इसके साथ ही मामले में आरोपी प्रवीण पुत्र मामचन्द निवासी ग्राम तिस्सा, थाना भोपा, जनपद मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया। किशोरी की बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इन पुलिसकर्मियों की टीम ने की कार्रवाई

किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में एएचटी थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह नागर, उपनिरीक्षक जगत सिंह, उपनिरीक्षक खुशवीर सिंह, साइबर थाने के उपनिरीक्षक गौरव चौधरी, महिला मुख्य आरक्षी प्रीति कुमारी और चालक आरक्षी जयप्रकाश शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से लंबित मामले में किशोरी को सकुशल बरामद किया। फिलहाल पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

# मुज़फ़्फ़रनगर: चरथावल में कानून के खौफ से बेखौफ दूल्हा: घुड़चढ़ी में रथ से दागी गोली, भीड़ के बीच हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

*बारातियों और ग्रामीणों की भीड़ के बीच तानी गई लंबी बंदूक, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल*

मुज़फ़्फ़रनगर। जिले में प्रशासन और पुलिस की तमाम सख्ती व चेतावनी के बावजूद शादी समारोहों में हर्ष फायरिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला जिले के चरथावल थाना क्षेत्र के गांव बुड्ढाखेड़ा से सामने आया है, जहां घुड़चढ़ी की रस्म के दौरान दूल्हे द्वारा खुलेआम हर्ष फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भीड़ के बीच हुए इस हवाई फायर ने मौके पर मौजूद लोगों की जान जोखिम में डाल दी। रथ पर साथी की मदद से तानी बंदूक

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शादी की खुशियों के बीच दूल्हा बग्घी (रथ) पर खड़ा है। उसके हाथ में एक लंबी बंदूक है और रथ के चारों ओर बारातियों, महिलाओं व ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा है। वीडियो में दूल्हे के साथ रथ पर खड़ा एक अन्य युवक बंदूक को संभालने में उसकी मदद करता दिखाई देता है। कुछ ही पलों में दूल्हा बंदूक को हवा में ऊपर की ओर तानकर ट्रिगर दबा देता है। फायर होते ही तेज आवाज के साथ बंदूक की नाल से धुआं उठता हुआ



भी वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा है।

बताया जा रहा है कि समारोह में मौजूद किसी युवक ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर अपनी फेसबुक स्टोरी पर साझा किया था। देखते ही देखते यह वीडियो फेसबुक से निकलकर अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और व्हाट्सएप ग्रुपों में तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि जरा सी चूक किसी बड़े और दर्दनाक हादसे का कारण बन सकती थी। गौरतलब है कि शासन और जिला प्रशासन की ओर से शादी-ब्याह एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में शस्त्रों के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे मामलों में शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने से लेकर मुकदमा दर्ज करने तक के सख्त निर्देश हैं। इसके बावजूद गांव बुड्ढाखेड़ा में हुई इस घटना ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर सवालिया निशान लगा दिया है। फिलहाल वायरल वीडियो में दिख रहे दूल्हे, बंदूक उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति और हथियार की वैधता को लेकर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

# मंसूरपुर में गन्ने से भरा ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉला पलटा: बड़ा हादसा टला, सड़क पर गन्ना फैलने से यातायात रहा बाधित

*शाहपुर मोड़ के पास हुआ हादसा, ओवरलोड वाहनों को लेकर ग्रामीणों में रोष*

मुजफ्फरनगर। जनपद में पेराई सत्र के दौरान सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड गन्ना वाहन राहगीरों के लिए लगातार खतरा बनते जा रहे हैं। इसी कड़ी में थाना मंसूरपुर क्षेत्र के अंतर्गत शाहपुर मोड़ के पास गन्ने से लदा एक ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉला अचानक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त ट्रॉले के आसपास कोई अन्य वाहन या राहगीर नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। मोड़ पर बिगड़ा संतुलन, सड़क पर बिखरा गन्ना

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, गन्ने से अत्यधिक भरा हुआ यह ट्रैक्टर-ट्रॉला तेज रफ्तार के साथ शाहपुर मोड़ से गुजर रहा था। ओवरलोड होने के कारण मोड़ पर पहुंचते ही चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा और भारी-भरकम ट्रॉला सड़क पर पलट गया। ट्रॉला पलटने से सारा गन्ना सड़क पर फैल गया,



जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया और वाहनों की कतारें लग गईं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाली व्यवस्था

दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना मंसूरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से यातायात को नियंत्रित किया और सड़क से गन्ने व क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाने की कवायद शुरू कर मार्ग पर आवागमन को पुनः सुचारू कराया।

ओवरलोड वाहनों के संचालन से लोगों में आक्रोश

क्षेत्र में क्षमता से अधिक गन्ना लादकर चलने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलों और ट्रकों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के चलते ओवरलोड वाहन बेखौफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे आमजन की जान जोखिम में पड़ रही है। ग्रामीणों ने पुलिस और परिवहन विभाग से ऐसे ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की है।

# साइबर अपराधों से बचाव का पाठ पढ़ेंगे मुजफ्फरनगर के 70 हजार विद्यार्थी, 200 से अधिक विद्यालयों तक पहुंचा जागरूकता अभियान

*डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक और सोशल मीडिया अपराधों के प्रति किया जागरूक, साइबर विशेषज्ञ रक्षित टंडन सहित पुलिस अधिकारियों ने बताए बचाव के तरीके; यूट्यूब के माध्यम से हुआ कार्यशाला का सीधा प्रसारण*

मुजफ्फरनगर। तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में बड़े स्तर पर साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत आयोजित विशेष कार्यशाला में विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी चोरी, सोशल मीडिया पर ठगी और साइबर बुलिंग जैसे गंभीर अपराधों की जानकारी दी गई। कार्यशाला की खास बात यह रही कि इसका यूट्यूब के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे जनपद के 200 से अधिक विद्यालयों में दिखाया गया। इस अभियान के माध्यम से 70 हजार से अधिक विद्यार्थियों तक साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाई गईं। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर की प्रेरणा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप और अपराधियों के नए तरीकों से परिचित कराना रहा। कार्यशाला में साइबर विशेषज्ञ रक्षित टंडन, पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ, साइबर क्राइम थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह और साइबर कमांडो उपनिरीक्षक सचिन धामा ने विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधी भी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डराकर की



जा रही ठगी से रहें सावधान

कार्यशाला में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ऑनलाइन ठगी को लेकर विशेष रूप से जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि साइबर अपराधी स्वयं को पुलिस अधिकारी, सरकारी एजेंसी या अन्य विभागों का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं और लोगों को किसी फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देकर डराते हैं। इसके बाद गिरफ्तारी का भय दिखाकर उनसे धनराशि की मांग की जाती है। विद्यार्थियों को समझाया गया कि ऐसी कॉल से घबराने के बजाय सतर्क रहें और किसी भी अनजान व्यक्ति को पैसे न भेजें।

ओटीपी, एटीएम पिन और बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें

ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के संबंध में विद्यार्थियों को बताया गया कि साइबर अपराधी बैंक कर्मचारी बनकर फोन करते हैं और खाते की जानकारी, ओटीपी, एटीएम पिन तथा सीवीवी नंबर हासिल करने का प्रयास करते हैं। इन जानकारियों के जरिए बैंक खातों से रकम निकाल ली जाती है। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि बैंक से संबंधित कोई भी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

फर्जी लिंक और आकर्षक ऑफर से बचने की दी सलाह

फिशिंग और फर्जी वेबसाइट के माध्यम से होने वाली ठगी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि अनजान नंबरों से आने वाले संदेशों और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे क्लिक नहीं करना चाहिए। कई बार साइबर अपराधी पुरस्कार, इनाम, छूट और अन्य आकर्षक ऑफर का लालच देकर लोगों की व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी हासिल कर लेते हैं। किसी भी वेबसाइट पर अपनी जानकारी दर्ज करने से पहले उसकी प्रमाणिकता जांचना जरूरी है। विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

# 55 लाख के हैसियत प्रमाण पत्र पर 20 हजार की रसीद को लेकर राजस्व विभाग में बवाल, ठेकेदार ने उतारे कपड़े-जूते, आरए बाबू पर फेंके; वीडियो वायरल

*रिश्वत मांगने और फाइल रोकने का ठेकेदार ने लगाया आरोप, आरए बाबू कुलदीप कुमार ने आरोपों को नकारा; लोकवाणी रसीद कटवाने को लेकर दोनों पक्षों में हुआ विवाद*

मुजफ्फरनगर। राजस्व विभाग के कार्यालय में 55 लाख रुपये के हैसियत प्रमाण पत्र को लेकर हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक ठेकेदार कार्यालय के अंदर अपने कपड़े और जूते उतारकर आरए बाबू की ओर फेंकता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि 20 हजार रुपये की लोकवाणी रसीद कटवाने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि ठेकेदार और आरए बाबू कुलदीप कुमार के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। इसके बाद ठेकेदार ने आपा खो दिया और कार्यालय में जमकर हंगामा किया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद राजस्व विभाग के कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, ठेकेदार विनेश कुमार को 55 लाख रुपये का हैसियत प्रमाण पत्र बनवाना था। इसके लिए 20 हजार रुपये की लोकवाणी रसीद कटवाने की बात सामने आई।



ठेकेदार का आरोप है कि उससे रिश्वत मांगी गई और रकम नहीं देने पर उसकी फाइल रोक दी गई। इसी बात से नाराज होकर वह राजस्व विभाग के कार्यालय पहुंचा और अपनी शिकायत को लेकर विरोध जताने लगा। कार्यालय में बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ती चली गई। ठेकेदार ने आरए बाबू पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इसी दौरान उसने अपने कपड़े और जूते उतारकर आरए बाबू की ओर फेंक दिए। कार्यालय में अचानक हुए इस घटनाक्रम से वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई। अब इस हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दूसरी ओर बाबू कुलदीप कुमार ने ठेकेदार की ओर से लगाए गए रिश्वत मांगने के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि 55 लाख रुपये के हैसियत प्रमाण पत्र के लिए नियमानुसार 20 हजार रुपये की लोकवाणी रसीद कटवाना अनिवार्य था। ठेकेदार रसीद कटवाने के बजाय बिना रसीद के ही हैसियत प्रमाण पत्र बनवाने का दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ।

वायरल वीडियो के बाद उठे सवाल

इस मामले में दोनों पक्षों के दावे एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। ठेकेदार जहां रिश्वत मांगने और फाइल रोकने का आरोप लगा रहा है, वहीं आरए बाबू इसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत रसीद कटवाने का मामला बता रहे हैं। ऐसे में 20 हजार रुपये की लोकवाणी रसीद किस नियम के तहत निर्धारित थी और ठेकेदार की फाइल किस कारण लंबित थी, यह जांच का विषय है। फिलहाल रिश्वत मांगने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजस्व विभाग के कार्यालय में हुए हंगामे और वायरल वीडियो ने पूरे मामले को चर्चा में ला दिया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि संबंधित अधिकारी मामले की जांच कर दोनों पक्षों के दावों की वास्तविकता स्पष्ट करते हैं या नहीं।

# चरथावल थाने पहुंचे सीओ सदर सुनील कुमार: लंबित विवेचनाओं पर सख्त रुख, वांछितों और वारंटियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

रात 10 बजे थाने पहुंचकर की मामलों की समीक्षा, महिला अपराधों की जांच प्राथमिकता से करने को कहा

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण और लंबित मुकदमों के त्वरित निस्तारण को लेकर पुलिस अधिकारियों ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने चरथावल थाने पहुंचकर विवेचनाओं की समीक्षा की। रात करीब 10 बजे थाने पहुंचे सीओ सदर ने थाना क्षेत्र में दर्ज मुकदमों, लंबित विवेचनाओं और अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने विवेचकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी मामले की जांच अनावश्यक रूप से लंबित न रखी जाए और प्रत्येक विवेचना का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। चरथावल थाने में आयोजित अर्दली रूम के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत ने भी थाने पर नियुक्त विवेचकों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान लंबित विवेचनाओं, महिला संबंधी अपराधों, प्राप्त प्रार्थना पत्रों तथा वांछित और वारंटी अभियुक्तों



की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी ली गई। पुलिस अधिकारियों ने विवेचकों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों में साक्ष्यों का संकलन करते हुए निष्पक्ष जांच पूरी की जाए। जिन मामलों में गिरफ्तारी अपेक्षित है, उनमें आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। महिला संबंधी अपराधों में विशेष संवेदनशीलता बरतते हुए प्राथमिकता के आधार पर जांच और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। थाना क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों को अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, अवैध शराब के कारोबार, जुआ और सट्टे के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अवैध धंधों में संलिप्त लोगों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही शातिर अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों का नियमित सत्यापन करने तथा उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने को कहा गया। थाना क्षेत्र में नियमित गश्त और पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके और आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे। सीओ सदर सुनील कुमार ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमों में भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत अपराध से अर्जित संपत्तियों को चिह्नित कर उनके जब्तीकरण की कार्रवाई की जाए। हिस्ट्रीशीटरों की समय-समय पर चेकिंग करने और उनकी गतिविधियों से संबंधित फ्लाईशीट में सभी आवश्यक प्रविष्टियां पूरी कराने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपराधियों पर केवल मुकदमा दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आपराधिक नेटवर्क और अवैध संपत्तियों पर भी प्रभावी कार्रवाई जरूरी है।

पुलिस अधिकारियों ने थाने के सभी अधिकारी और कर्मचारियों को आम जनता के साथ शालीनतापूर्ण व्यवहार करने की हिदायत दी।

# संपादकीय

## दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का संकट, संसदीय समिति की बैठक से ही हटाया गया अहम मुद्दा

यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। जिस समय दिल्ली सहित समूचा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रदूषण से उपजे संकट में घिरा दिखता है, वैसे में कायदे से होना यह चाहिए था कि सरकार इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता में रख कर इससे निपटने के उपाय करती। इसके अलावा, इस समस्या को किसी राजनीतिक दायरे में रखकर देखने के बजाय सभी दलों के साथ विचार कर प्रदूषण पर काबू पाने के रास्ते खोजती। मगर इसके उलट आई यह खबर परेशान करने वाली है कि गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 17 नवंबर को होने वाली अपनी बैठक के संशोधित एजंडे से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के महत्त्वपूर्ण मुद्दे को हटा दिया है।जबकि संसदीय समिति ने पांच नवंबर को अपनी बैठक के एजंडे में एक अहम मुद्दे के रूप में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और नियामक उपायों की चर्चा शामिल की थी। दिल्ली और आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता की हालत को देखते हुए स्वाभाविक ही विपक्ष ने संसदीय समिति के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई और इस मुद्दे को फिर से बैठक के एजंडे में शामिल करने की मांग की।यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। खासतौर पर दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक की स्थिति लगातार 'बहुत खराब' की श्रेणी में दर्ज की जा रही है। एक्यूआइ का स्तर कई इलाकों में चार सौ से भी ऊपर जाना यही बताता है कि यहां प्रदूषण पर काबू पाने के सारे उपाय या तो नाकाम हो गए हैं या फिर उन नियमों को लागू करने के मामले में घोर लापरवाही बरती गई है। डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के मुताबिक, पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर प्रति घनमीटर सिर्फ पांच माइक्रोग्राम होना चाहिए। वहीं दिल्ली में पटाखे चलाने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ और उस दिन यहां की हवा में सूक्ष्म प्रदूषण कण सीमा से चालीस गुना से ज्यादा पाए गए। सवाल है कि क्या सरकार इन्हीं मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। हैरानी की बात यह है कि वायु गुणवत्ता के मुद्दे को जहां संसदीय समिति की चर्चा से किनारे किया जा रहा है।

# विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

(प्रह्लाद सबनानी)



देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है।

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी।

इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है। भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रशन्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है।

केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है।

भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

**(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

# सबसे पहले छठ व्रत किसने किया था, इसलिए माताएं गीले आंचल से पोंछती है बच्चों का मुख

**उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना।**

(राकेश झा)

छठ पर्व का व्रत बिहार से लेकर विदेश तक होने लगा है। लोग सात समुद्र पार भी छठ मनाने लगे हैं। लेकिन आस्था का यह महापर्व कब और कैसे शुरू हुआ है। किसने पहली बार छठ किया था।



इसके विषय में जड़ तक जाएं तो पता लगता है कि सतयुग में पहली बार छठ पर्व किया गया था। वहीं से संतान के लिए छठ पर्व करने का विधान भी बना। आइए जानें कैसे और किन परिस्थितियों में छठ पर्व शुरू हुआ।

छठ पर्व के बारे में आपने काफी सुना होगा। लेकिन आपको पता है कि सबसे पहले छठ का व्रत किसने किया था। आज जो छठ पर्व पर हजारों की संख्या में लोग छठ पर्व पर घर जाने के लिए पहुंच रहे हैं इस उत्साह और आस्था का आरंभ कहां से हुआ है।

अगर आप भी इस रहस्य को जानना चाहते हैं कि कैसे अब किसने पहली बार छठ पर्व मनाया था। तो इसका जवाब ढूंढने के लिए आपको हमारे साथ कई युग पीछे चलना होगा। क्योंकि छठ पर्व की शुरुआत की जो पहली कड़ी दिखती है उसका संबंध सतयुग से है।

उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना। ऐसे में राजा प्रियव्रत ने महर्षि कश्यप से पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया और यज्ञ से जो प्रसाद प्राप्त हुआ वह रानी मालिनी को खिलाया। इससे रानी मालिनी गर्भवती हुई।

समय आने पर रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन यह पुत्र जन्म के साथ ही मृत्यु को प्राप्त हो गया। दुखी मन से राजा प्रियव्रत अपने मरे हुए पुत्र को लेकर उसका अंतिम संस्कार करने वन मे आए। पुत्र शोक से मन में जीने की इच्छा भी समाप्त हो गई थी। ऐसे में उन्हें एक दिव्य प्रकाश दिखा। वह प्रकाश धीरे-धीरे राजा प्रियव्रत के समीप पहुंचा। उस प्रकाश के साथ एक देवी प्रकाशमान हो रही थीं। उस देवी से राजा प्रियव्रत ने पूछा कि हे देवी आप कौन हैं और यहां इस समय आपका क्यों आगमन हुआ है।

तब देवी ने कहा कि मैं ब्रह्माजी की मानस पुत्री हूं और सूर्य की बहन षष्ठी देवी हूं। हे राजन् मैं आपके इस मरे हुए पुत्र का नवजीवन प्रदान कर दूंगी। आप कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को अपने प्रजा के साथ मेरा पूजन कीजिए। मेरा पूजन करने से संतान की रक्षा होती है और निसंतान को संतान की प्राप्ति भी होती है। राजा प्रियव्रत ने देखा की उसका मृत पुत्र जीवित हो उठा है।

अपने पुत्र को वापस जीवित पाकर राजा प्रियव्रत अत्यंत प्रसन्न हुए और अपने नगर को लौट आए। इसके बाद इन्होंने कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को प्रजा के साथ मिलकर छठ व्रत किया। पृथ्वी पर इस समय पहली बार छठ पर्व मनाया गया था। इसके बाद राजा प्रियव्रत के कई संतान हुए और उन्होंने कई वर्षों तक धरती का राज भोगा। इसलिए छठ करने वाली माताएं छठ पर्व समाप्त होने पर अपने गीले आंचल से बच्चों का मुंह भी पोंछती हैं क्योंकि मान्यता कि इससे छठी देवी की कृपा होती है और दीर्घायु एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है।

# घुसपैठ के लिए मशहूर बांग्लादेश के लिए सिरदर्द बने रोहिंग्या घुसपैठिये

**संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा।**

(नीरज कुमार दुबे)

सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है? खुद घुसपैठ की समस्या को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाला बांग्लादेश आज रोहिंग्या घुसपैठियों की एक ऐसी बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, जिसने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सीमा प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। म्यांमार से लगी सीमा पर हालात लगातार विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक तरफ म्यांमार के रखाइन प्रांत में सशस्त्र संगठन अराकान आर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ हिंसा और विस्थापन से परेशान रोहिंग्या परिवार बांग्लादेश में दाखिल होने के रास्ते तलाश रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बांग्लादेश को म्यांमार की केंद्रीय सत्ता के बजाय अराकान आर्मी से भी बातचीत करनी पड़ रही है। यहां सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है?

**15 लाख रोहिंग्या, बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ :** हम आपको बता दें कि बांग्लादेश सरकार के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 11 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की म्यांमार संबंधी विशेष रैपोर्टियर केली ई. करी से मुलाकात के दौरान एक बेहद गंभीर आंकड़ा सामने रखा। उनके मुताबिक बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में संख्या इससे कम दर्ज है, लेकिन वास्तविक स्थिति कहीं ज्यादा बड़ी बताई जा रही है। इनमें से अधिकांश रोहिंग्या कॉक्स बाजार के शिविरों में रह रहे हैं। ये वे लोग हैं जो अगस्त 2017 में म्यांमार की सैन्य कार्रवाई के बाद अपना घर छोड़कर बांग्लादेश पहुंचे थे। बांग्लादेश के गृह मंत्री ने साफ कहा कि इतने बड़े शरणार्थी समुदाय को लंबे समय तक अपने यहां रखने से देश की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। ढाका ने अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय से म्यांमार पर समन्वित कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग की है। ढाका में सवाल उठ रहा है कि बांग्लादेश आखिर कब तक इस आबादी का बोझ उठाएगा? जब शरणार्थियों की वापसी का कोई ठोस रास्ता नहीं दिख रहा और सीमा पार हिंसा लगातार जारी है, तब ढाका के सामने संकट और गहराता जा रहा है।

**म्यांमार की सीमा पर अब अराकान आर्मी का दबदबा :** साथ ही बांग्लादेश की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में अब वहां की सैन्य सरकार का नियंत्रण पहले जैसा नहीं रह गया है। अराकान आर्मी ने बड़े भूभाग पर अपना कब्जा जमा लिया है और बांग्लादेश से लगी सीमा के बड़े हिस्से पर भी उसका प्रभाव है। यानी बांग्लादेश के सामने अब एक ऐसी ताकत खड़ी है, जो म्यांमार की आधिकारिक सरकार नहीं है, लेकिन सीमा के दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण उसी का है। यही वजह है कि बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने 8 नवंबर को खुलासा किया कि ढाका म्यांमार की सैन्य सरकार के साथ-साथ अराकान आर्मी से भी बातचीत कर रहा है। रोहिंग्याओं की वापसी के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने वाली समिति गठित की गई है और इस समिति के तहत दोनों पक्षों से संपर्क साधा जा रहा है। देखा जाये तो यह घटनाक्रम अपने आप में बांग्लादेश की कूटनीतिक मजबूरी को उजागर करता है। जिस संगठन के नियंत्रण वाले इलाके से रोहिंग्याओं का पलायन हो रहा है, उसी संगठन से अब बांग्लादेश को बातचीत करनी पड़ रही है। यह संकेत है कि म्यांमार की सीमा पर सत्ता और नियंत्रण का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है।

**समुद्री रास्ते से घुसपैठ, 38 रोहिंग्या पकड़े गए :** साथ ही सीमा पर बिगड़ते हालात का ताजा उदाहरण 38 रोहिंग्याओं की गिरफ्तारी है। बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड्स ने टेकनाफ इलाके में म्यांमार से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए पहुंचे 38 रोहिंग्याओं को हिरासत में लिया। इनमें आठ पुरुष, 14 महिलाएं और 16 बच्चे शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को नाव के जरिए बांग्लादेश लाने के लिए मोटी रकम वसूली गई थी। नाव से उतरने के बाद उन्हें एक स्थानीय महिला के घर में ठहराया गया था। सूचना मिलने पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने छापा मारकर सभी को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने की पुष्टि की है। यह घटना बताती है कि म्यांमार में जारी हिंसा अब बांग्लादेश की सीमा पर किस तरह दबाव बना रही है। घुसपैठ के लिए केवल जमीन का रास्ता ही नहीं, बल्कि समुद्री मार्ग भी इस्तेमाल हो रहा है। स्थानीय नाव मालिकों और बिचौलियों की भूमिका इस समस्या को और गंभीर बनाती है।

**रोहिंग्याओं का संकट अब बांग्लादेश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती :** देखा जाये तो रोहिंग्या संकट अब केवल शरणार्थियों को भोजन, आवास और चिकित्सा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गया है। कॉक्स बाजार में बड़ी संख्या में शरणार्थियों की मौजूदगी ने स्थानीय संसाधनों, रोजगार और सामाजिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। इसके साथ ही अवैध आवाजाही, मानव तस्करी और संगठित घुसपैठ के नेटवर्क की आशंकाएं भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती हैं। साथ ही म्यांमार के रखाइन प्रांत में अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्या समुदाय पर हिंसा, जबरन विस्थापन और आवाजाही पर पाबंदियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ब्रिटिश सरकार की जनवरी 2026 की देश संबंधी रिपोर्ट में भी अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्याओं के उत्पीड़न, मनमानी गिरफ्तारियों और आवाजाही पर प्रतिबंधों का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 और 2025 के दौरान हिंसा के कारण दो लाख तक रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे। ऐसे में बांग्लादेश के लिए मुश्किल दोहरी है। एक तरफ पहले से मौजूद 15 लाख से अधिक लोगों का बोझ है, दूसरी तरफ म्यांमार में जारी संघर्ष नए लोगों को सीमा पार करने के लिए मजबूर कर रहा है। यदि यह सिलसिला जारी रहा तो शरणार्थी शिविरों का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन पर दबाव और बढ़ सकता है।

**भारत, चीन और अमेरिका की भूमिका पर टिकी निगाहें :** उधर, बांग्लादेश अब इस संकट से निकलने के लिए भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रभावशाली पक्षों से म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर केली करी के साथ बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा। बहरहाल, देखना होगा कि क्या बांग्लादेश अपनी म्यांमार सीमा पर बदलते सत्ता समीकरणों के बीच प्रभावी नियंत्रण बनाए रख पाएगा? जब सीमा के दूसरी तरफ अराकान आर्मी का दबदबा है, म्यांमार की केंद्रीय सत्ता कमजोर है और समुद्री रास्तों से रोहिंग्याओं की आवाजाही जारी है, तब ढाका के सामने चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा और राष्ट्रीय स्थिरता बचाने की भी है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश के लिए रोहिंग्या संकट अब एक ऐसा सुरक्षा और कूटनीतिक जाल बनता जा रहा है, जिससे निकलने का रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

**-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

# कूड़ा निस्तारण को लेकर कस्बे को तीन नई ट्रालियो की सौगात



थानाभवन। कस्बे की सफाई व्यवस्था को ओर बेहतर बनाने के लिए नगर पंचायत थानाभवन ने तीन नई ट्राली कूड़ा निस्तारण को लेकर कस्बे ने लिए सौगात दी है। शुक्रवार को नगर पंचायत थानाभवन द्वारा कूड़ा निस्तारण के लिए तीन नई ट्रालिया का शुभारम्भ नगर पंचायत अध्यक्ष पति व ईओ जितेंद्र कुमार ने सामूहिक फीता काटकर किया। चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद ने कहा कि कस्बे के सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए तीन नई ट्रालिया का निर्माण कराया है।जिससे कस्बे की सफाई व्यवस्था को ओर भी बेहतर बनाया जायेगा।उन्होंने सभी कस्बे वासियो से अपील की है के गीला ओर सूखा कूड़ा अलग अलग बाल्टीयों मे डाले तथा भारत स्वच्छ मिशन मे अपना सहयोग करें। इस अवसर पर सभासद दिनेश कुमार, राजवीर सिंह, बॉबी आरोरा, नीरज गोयल, अथर सिद्दकी, देवेंद्र पंडित, विनोद सैनी अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

# श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन संस्कृति और संस्कारों का महत्व बताया

*बच्चों को भारतीय परंपरा से जोड़ने और स्वावलंबी बनाने का दिया संदेश*



थानाभवन। थानाभवन के मुहल्ला अस्पताल कालोनी में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन की कथा में आचार्य संजय शास्त्री ने संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों का ज्ञान दें तथा उन्हें स्वावलंबी बनने की प्रेरणा प्रदान करें। कथा के दौरान पंडित संजय शास्त्री ने धुंधकारी और धुंधली के प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि यदि धुंधकारी को बचपन में उचित संस्कार मिले होते और धुंधली ने अपनी संस्कृति एवं मयार्दा का पालन किया होता तो उनका जीवन अलग दिशा में जा सकता था। उन्होंने कहा कि संस्कृति और संस्कार मनुष्य को पशु प्रवृत्तियों से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाने का कार्य करते हैं। कथावाचक पंडित संजय शास्त्री ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में गभार्धान से लेकर अंत्येष्टि तक कुल 16 संस्कार बताए गए हैं। ये केवल सामाजिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म को शुद्ध करने वाली आध्यात्मिक प्रक्रियाएं हैं। संस्कृति हमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना सिखाती है, जिससे व्यक्ति में परोपकार, प्रेम और सद्भाव जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञ, मंत्रोच्चार, ध्यान और धार्मिक अनुष्ठान मन को शांति और एकाग्रता प्रदान करते हैं। अच्छे संस्कार व्यक्ति को सही और गलत का विवेक देते हैं तथा धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। संस्कृति और संस्कारों के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है और अध्यात्म केवल सैद्धांतिक ज्ञान बनकर रह जाता है इस दौरान कमला देवी, रेखा कश्यप, अंजलि सैनी, मोनिका, रेखा सैनी, उषा, सुनीता शर्मा, सुरेश सैनी, टिंकू सैनी, शुभम् आदि मौजूद रहे।

# नगर पालिका ने भवन कर और जलकर पर 10 प्रतिशत छूट की समय सीमा बढ़ाई

*अब 31 दिसंबर तक जमा कर सकेंगे टैक्स, पुराने बकायेदारों को 15 दिसंबर तक मिलेगा एकमुश्त समाधान योजना का लाभ*



शामली। नगर पालिका शामली ने भवन कर और जलकर जमा करने वाले शहरवासियों को राहत दी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के भवन कर और जलकर पर दी जा रही 10 प्रतिशत छूट का लाभ अब 31 दिसंबर तक लिया जा सकेगा। पहले स्वकर निर्धारण प्रणाली लागू होने के कारण टैक्स बिल वितरण में देरी और नागरिकों को हुई असुविधा को देखते हुए छूट की समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

शुक्रवार को नगर पालिका में आयोजित बैठक में चेयरमैन अरविंद संगल ने बताया कि जिन शहरवासियों ने अभी तक भवन कर और जलकर जमा नहीं किया है, वे 31 दिसंबर तक 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठाकर अपना टैक्स जमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर से पहले वित्तीय वर्ष 2026-27 के टैक्स बिल भी नागरिकों को मिल जाएंगे।

टैक्स प्रभारी आजम खान ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पालिका के पुराने टैक्स बकायेदारों को एकमुश्त समाधान योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। इसके तहत पिछले वर्षों का बकाया टैक्स जमा करने पर विशेष छूट मिलेगी। इस योजना का लाभ 15 दिसंबर तक लिया जा सकता है। उन्होंने बकायेदारों से निर्धारित अवधि में योजना का लाभ उठाने की अपील की।

चेयरमैन अरविंद संगल ने बताया कि नगर पालिका जल्द ही भवन कर और जलकर जमा करने की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू करने जा रही है। इसके लिए ई-नगर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन फीडिंग का कार्य कराया जा रहा है।

बैठक में कर अधीक्षक योगेश कुमार, टैक्स प्रभारी आजम खान, प्रदीप बिड़ला, लक्ष्मण सिंह, कंवरपाल, विनोद निर्वाल, अरविंद कुमार, अमित कुमार, सुनील बंसल, जगमोहन सिंह, शमीम अहमद, राकेश कुमार, गजेंद्र सिंह और अमित शर्मा मौजूद रहे।

# नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरूआत

*सूर्य व प्रकृति उपासना के महापर्व छठ को लेकर बाजारों में रही रौनक*

*श्रद्धालु खरीदारी में जुटे, चार दिवसीय महापर्व का है पौराणिक महत्व*





लखनऊ। सूर्य देव व प्रकृति उपासना के चार दिवसीय लोकआस्था के महापर्व छठ की शुक्रवार को नहाय-खाय से शुरूआत हो गयी। इसी क्रम में शनिवार को खरना, रविवार को सूर्य देव को संध्या अर्घ्य और सोमवार की सुबह उगते सूर्य को उषा अर्घ्य व पारण किया जाएगा। खरना की पूजा के बाद व्रती लगभग 36 से 40 घंटे तक निर्जला उपवास रखते हैं, जो इस पर्व की दृढ़ता, व्रती की इच्छाशक्ति तथा भक्ति व विश्वास का अद्भुत उदाहरण है। इसबीच एक बार फिर से बाजार महापर्व छठ के व्रत-पूजन से जुड़ी सामग्रियों से पूरी तरह सज-धजकर तैयार दिखे। बाजार की शोभा बढ़ा रहे तरह-तरह के मौसमी फल प्रकृति के ऐसे अनमोल रत्न हैं जो हमें प्रकृति की रक्षा और उनकी उर्वरा शक्ति को सहेजकर रखने का सन्देश भी देते हैं। सूप व दौरा की भी पूजा में खास अहमियत है। सूर्योपासना और छठी मैया की उपासना के इस महापर्व पर प्रकृति प्रदत्त इन सभी सामग्रियों को सजाकर सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही परिवार की खुशहाली, समृद्धि, संतान की लम्बी उम्र, मनोकामना पूर्ण होने और उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रसाद के रूप में इन्हें ग्रहण किया जाता है। मौसम परिवर्तन की दृष्टि से भी मानसिक, वाचिक और कायिक शुद्धता के रूप में भी इस व्रत-पूजन की खास वैज्ञानिक महत्ता है।

भगवान सूर्य को जीवन प्रदान करने के साथ ही ऊर्जा से परिपूर्ण करने और जीवन में उजियारा बिखेरने की मनोकामना से भी विशेष पूजन-अर्चन का विधान है। पृथ्वी पर प्राणियों के अस्तित्व के आधार का भी दर्जा उन्हें ही प्राप्त है। इस तरह कार्तिक मास शुक्ल पक्ष षष्ठी पर उनके इस विशेष पूजन-अर्चन को सूर्य देव की बहन और प्रकृति की देवी छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी पूरे विधि-विधान से किया जाता है। इसका पौराणिक महत्व भी है, कहा जाता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर प्रभु श्रीराम और माता सीता ने छठी मैया का विधि विधान से आराधना और पूजन किया था। सूर्य पुत्र कर्ण के भी विधिवत सूयोर्पासना का वर्णन मिलता है। इस महापर्व पर विभिन्न नदियों के तटों, घाटों पर सूर्य अर्घ्य व पूजन के लिए उमड़ने वाला जनसैलाब सामूहिक एकता का भी जीता-जागता उदाहरण है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाने वाला यह महापर्व आज प्रवासी भारतीयों द्वारा पूरे विश्व में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजन की सामग्रियों की खरीदारी में व्यस्त विभा शर्मा व दीपा सागर का कहना है कि यह महापर्व लगातार चार दिनों तक पूरी शुद्धता और सात्विकता के साथ घर-परिवार वालों के साथ मिलकर धूमधाम से मनाया जाता है।

भैया दूज के तीसरे दिन से यह महापर्व शुरू होता है। पहले दिन सेंधा नमक, घी से बना हुआ अरवा चावल और कद्दू या लौकी की सब्जी प्रसाद के रूप में ग्रहण की जाती है। अगले दिन से उपवास आरम्भ होता है।

व्रत रखने वाले दिनभर अन्न-जल त्याग कर शाम को खीर बनाकर, पूजा करने के उपरान्त प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं, जिसे खरना कहते हैं।

# वेस्ट यूपी की हवा में घुला जहर: मुजफ़्फरनगर के नई मंडी क्षेत्र सीजन का रिकॉर्ड एक्यूआई 323 दर्ज, मेरठ 249, बागपत 196 और गाजियाबाद में 374 रिकॉर्ड हुआ एक्यूआई

*स्मॉग के चलते धूप भी पड़ी फीकी: सुबह और शाम के समय गंभीर हो रहे हालात, अस्थमा रोगियों व बुजुर्गों को सांस लेने में बढ़ी दिक्कत*




मुजफ़्फरनगर/मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में मौसम के करवट लेने के साथ ही वायु प्रदूषण का स्तर बेहद चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। मुजफ़्फरनगर, मेरठ, बागपत और गाजियाबाद समेत पूरे क्षेत्र की हवा में जहरीले कणों की मात्रा लगातार बढ़ रही है। वातावरण में नमी बढ़ने और हवा की रफ्तार धीमी होने के कारण सुबह से शाम तक आसमान में स्मॉग की मोटी परत छाई हुई है, जिससे सूरज की चमक भी फीकी पड़ती नजर आ रही है।

नई मंडी में सीजन का सबसे अधिक 323 एक्यूआई दर्ज

मुजफ़्फरनगर जिले में वायु गुणवत्ता लगातार 'खराब' से 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी हुई है। शुक्रवार सुबह मुजफ़्फरनगर का एक्यूआई 250, मेरठ का 249, बागपत का 196 और गाजियाबाद का 374 रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली-देहरादून हाईवे समेत शहर के विभिन्न हिस्सों में सुबह के समय धुंध और स्मॉग का गहरा असर दिखाई दिया। इससे पहले गुरुवार को शहर के नई मंडी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 323 तक पहुंच गया था, जो इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक ऊंचा स्तर है। वहीं जिले का औसत एक्यूआई 256 दर्ज किया गया, जबकि बुढ़ाना मोड़ स्थित मॉनिटरिंग स्टेशन पर यह स्तर 220 रहा।

अस्थमा रोगियों की बढ़ी मुश्किलें, आंख-गले में जलन

प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने आम जनजीवन और लोगों की सेहत पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है। सुबह और शाम के समय सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन, एलर्जी और गले में खराश जैसी शिकायतें तेजी से बढ़ी हैं।सीएमओ की सलाहः मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि खराब हवा से बचाव के लिए बाहर निकलते समय मास्क और चश्मे का प्रयोग बेहद जरूरी है। मास्क सांस के रोगियों को राहत देगा, जबकि चश्मा आंखों को जलन से बचाएगा।

विशेषज्ञों की चेतावनी

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही और जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. योगेंद्र त्रिखा के अनुसार, ठंड और नमी के कारण प्रदूषक कण वातावरण में नीचे ही ठहरे हुए हैं। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस या अस्थमा की बीमारी से जूझ रहे लोगों को सुबह-शाम खुले में जाने और शारीरिक श्रम करने से बचना चाहिए।

प्रदूषण के मुख्य कारण और प्रशासनिक कार्रवाई

दिल्ली-एनसीआर और आसपास के जिलों में बढ़ते प्रदूषण के पीछे वाहनों का धुआं, औद्योगिक गतिविधियां, पराली व कूड़ा जलाना और त्योहारों के बाद का धुआं मुख्य वजहें हैं। इस मामले में क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी गीतेश चंद्रा का कहना है कि लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में एनसीआर के नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है और मानकों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों को नोटिस जारी किए गए हैं।

ये है प्रदूषण की वजह

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के कई कारण हैं, जिनमें वाहनों से होने वाला उत्सर्जन, पराली जलाना, औद्योगिक गतिविधियां और मौसमी कारक शामिल हैं। दिवाली जैसे त्योहारों के बाद पटाखों के धुएं से भी प्रदूषण की स्थिति और गंभीर हुई है।

# गलत फीडर का शटडाउन लेने से 11 हजार की लाइन में दौड़ा करंट, लाइनमैन झुलसा



शामली। बिजली विभाग की कथित लापरवाही के चलते 11 हजार की विद्युत लाइन में करंट उतरने से एक लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद उसे शामली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। क्षेत्र के गांव सल्फा निवासी कमल बलवा फीडर पर लाइनमैन के पद पर तैनात है। बताया गया कि गत गुरुवार को बलवा निवासी सूबेदार वीरेंद्र सिंह के खेत में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में खराबी आने की सूचना पर कमल मौके पर पहुंचा था। उसने बिजलीघर पर तैनात एसएसओ अरविंद कुमार को फोन कर बलवा फीडर का शटडाउन मांगा था। कुछ देर बाद उसे शटडाउन होने की सूचना दे दी गई। इस–के बाद कमल विद्युत लाइन ठीक करने के लिए पोल पर चढ़ गया। इसी दौरान 11 हजार की लाइन में अचानक करंट दौड़ गया और वह उसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। आनन-फानन में उसे शामली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने मेरठ रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि बाद में जांच में सामने आया कि बलवा फीडर के बजाय रसूलपुर फीडर का शटडाउन लिया गया था। इसी गड़बड़ी के चलते संबंधित लाइन में बिजली आपूर्ति चालू रही और लाइनमैन हादसे का शिकार हो गया। मामले में जेई साजिद ने बताया कि घटना में लापरवाही सामने आई है, जिसकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि फिलहाल लाइनमैन खतरे से बाहर है। वहीं, परिजनों ने जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

# हिंदू बाहुल्य क्षेत्र से कब्रिस्तान हटाने की मांग, कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद की भी जांच कराने की उठाई आवाज

अखिल भारत हिंदू महासभा के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए की कार्रवाई की मांग



मुजफ्फरनगर। अखिल भारत हिंदू महासभा के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नगर मजिस्ट्रेट मुजफ्फरनगर से मुलाकात कर विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने जानसठ रोड स्थित अलमासपुर चौराहे पर पुलिस चौकी के पीछे बने मुस्लिम कब्रिस्तान को अन्य स्थान पर विस्थापित कराने की मांग उठाई।

प्रतिनिधिमंडल ने नगर मजिस्ट्रेट को अवगत कराया कि उक्त कब्रिस्तान के ठीक सामने शिव मंदिर स्थित है और यह क्षेत्र हिंदू बाहुल्य है। संगठन का कहना है कि मंदिर के सामने कब्रिस्तान होने के कारण कई बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका बनी रहती है। महासभा ने मांग की कि उक्त कब्रिस्तान को तत्काल हटाकर आबादी क्षेत्र से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर विस्थापित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

## रंग संसार

### 33 साल पहले आया आमिर-जूही का 'चटपटा' गीत, कुमार सानू और अलका ने दी आवाज; 90's की लड़कियों का है फेवरेट



नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कुछ गाने तो ऐसे बने हैं, जो हर गली-नुक्कड़, दुकानों और चौराहों पर खूब बजे हैं और यहां तक कि आज भी खूब बजते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही गाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जो खूब हिट हुआ और आज भी सुपरहिट है। इस गाने को अलका याग्निक ने गाकर और भी इसे यादगार बना दिया है। दरअसल जिस गाने की हम बात कर रहे हैं वह गाना साल 1993 में आई फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में सुनाई दिया। इस गाने का नाम है 'घूंघट की आड़ से' । जी हां, ये गाना कितना पॉपुलर है, ये हमें आपको बताने की जरूरत नहीं है। इस गाने की लोकप्रियता इतनी ज्यादा है कि इसे आपने कहीं ना कहीं जरूर सुना होगा। बसों-ट्रैक्टरों और ऑटो रिक्शा से लेकर गांव-कस्बों में भी ये सुनाई दिया। इस गाने में जूही चावला और आमिर खान नजर आए थे। गाने को अलका याग्निक और कुमार सानू ने अपनी मखमली आवाज से सजाया था। वहीं इस गाने का संगीत 90 के दशक की सुपरहिट संगीतकार जोड़ी नदीम-श्रवण ने तैयार किया था। वहीं गाने को गीतकार समीर ने लिखा था। इस गाने में जूही चावला और आमिर खान की कैमिस्ट्री बड़ी कमाल की रही। वैसे भी उस दौर में आमिर-जूही को जोड़ी कई फिल्मों में दिखी थी। शाह रुख के बाद जूही की जोड़ी अगर किसी के साथ पसंद की गई तो वह आमिर खान ही थे। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया था। हम हैं राही प्यार के फिल्म के इस गाने में भी दोनों की सादगी देखते ही बनी।फिल्म के कई गाने हिट रहे थे। हम हैं राही प्यार के बॉक्स ऑफिस पर एक सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी।

## राज काज

### अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में जीत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में नेतृत्व की होड़, चक शूमर के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे क्रिस वैन होलेन



वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में संसद के दोनों सदनों सीनेट और प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी में अब संसद में बहुमत के नेता बनने की होड़ शुरू हो गई है। मैरीलैंड के डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने आगामी सीनेट में बहुमत के नेता पद के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उनका मुकाबला मौजूदा सदन में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर से होगा। दशकों बाद यह पहली बार होगा, जब सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता का चुनाव मुकाबले के जरिये होगा। यह चुनाव दिसंबर की शुरूआत में गुप्त मतदान के जरिये होगा। होलेन ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'यह किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, यह अमेरिकी जनता की मांग का जवाब देने के बारे में है। इसीलिए मैं सीनेट के बहुमत नेता पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं।'इधर, शूमर ने कहा है कि इस मुकाबले में जीत के लिए उन्हें जरूरी समर्थन हासिल है। उन्होंने कहा, 'मैं जीतने जा रहा हूं।' बहुमत के नेता पद के लिए चुनाव से जाहिर होता है कि पार्टी के अंदर मतभेद उभर चुके हैं।

# दैनिक राशिफल शनिवार 14 नवम्बर 2026

**मेष** – खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें।

**वृष** – प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा।

**मिथुन :** कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं।

**कर्क** – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

**सिंह**– शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

**कन्या** – सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

**तुला** – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

**वृश्चिक** – समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

**धनु** – नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

**मकर** – सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी।

**कुंभ** – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

**मीन** – यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी।

## दैनिक पंचांग

14 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति




| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | तुला में |
| चंद्र | धनु में |
| मंगल | सिंह में |
| बुध | तुला में |
| गुरु | सिंह में |
| शुक्र | कन्या में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| वृश्चिक | 06.28 ब.से |
| धनु | 08.44 बजे से |
| मकर | 10.50 बजे से |
| कुंभ | 12.36 बजे से |
| मीन | 14.09 बजे से |
| मेष | 15.39 बजे से |
| वृष | 17.19 बजे से |
| मिथुन | 19.18 बजे से |
| कर्क | 21.31 बजे से |
| सिंह | 23.47 बजे से |
| कन्या | 01.59 बजे से |
| तुला | 04.10 बजे से |

**शनिवार** 2026 वर्ष का 318 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** पंचमी 23.25 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 20.25 बजे को समाप्त। **योग** शूल अहोरात्र।
**करण** बव 10.04 बजे तदनन्तर बालव 23.25 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 4.7 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 10'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872893
**जूलियन दिन** 2461358.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 03
**विशेष** लाभ पंचमी, जवाहारलाल जयंती, बाल दिवस।

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 | से | 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 | से | 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 | से | 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 | से | 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 | से | 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 | से | 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 | से | 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 | से | 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 | से | 01.14 बजे तक | चर | 11.47 | से | 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 | से | 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 | से | 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 | से | 04.10 बजे तक | काल | 02.51 | से | 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 | से | 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 | से | 05.56 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से जन्म-जन्मान्तरों के पापों का प्रक्षालन होता है:शान्तनु महाराज

## कथा से पूर्व निकाली गई भव्य कलश यात्रा, भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ कमाया

मुजफ्फरनगर। रेशू विहार रेलवे फाटक के समीप रेशू परिवार की ओर ओर से रेशू प्रांगण में आज से अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रारम्भ हो गया है। श्रीमद् भागवत कथा 20 नवम्बर तक अपरान्ह 3 बजे से सायं 6 बजे तक प्रतिदिन होगी, जिसमें कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज के श्रीमुख से कथा श्रवण के लिये आज पहले दिन भारी संख्या में श्रद्धालू रेशू प्रांगण में पहुंचे। इससे पूर्व प्रातः के समय भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालू महिलाओं और पुरूषों ने पहुंचकर धर्मलाभ कमाया। कलश यात्रा के दौरान भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम शुकतीर्थ से स्वामी ओमानन्द जी महाराज, कन्वआश्रम कोटद्वार के विश्वपाल जयंत महाराज, ब्रह्माकुमारी परिवार की बबीता जी, नगरपालिका परिषद् की चेयरमैन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व



विधायक अशोक कंसल, सभासद अमित पटपटिया समेत भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा सभी श्रद्धालुओं ने रेशू परिवार को अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के लिये शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा कि मौजूदा समय में अपने कारोबार या अन्य किसी भी प्रकार की समस्याओं को लेकर प्रत्येक व्यक्ति चिंतित रहता है, यहां तक कि कभी-कभी वह डिप्रेशन में भी पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि इससे मुक्ति के लिये समय-समय पर श्रीमद् भागवत कथा, श्रीराम कथा और शिव पुराण आदि की कथाओं को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए, जिससे जहां तनाव से मुक्ति मिलेगी, वही कार्य करने में मन भी लगेगा।

उन्होंने कहा कि जब तक मन विचलित होगा, न तो लक्ष्मी जी आवेंगी और न ही समृद्धि मिलेगी, इसके साथ ही जब मन एकाग्रचित होगा-शांत होगा, तब जीवन के सारे सुख अपने आप मिलते चले जायेंगे। इसके पश्चात रेशू प्रांगण में अपरान्ह 3 बजे से सायं 6 बजे तक अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री शान्तनु जी महाराज के श्रीमुख से किया गया। भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराते हुए श्री शान्तनु जी महाराज ने सर्वप्रथम श्रीमद् भागवत कथा के महात्म्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से भक्ति, ज्ञान, वैराग्य पुष्ठ होते हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का मुख्य संदेश भगवान श्रीकृष्ण के प्रति निःस्वार्थ और अनन्य प्रेम (भक्ति) जगाना है। कथा के दौरान ऐसा भाव जागता है कि भक्त का हृदय स्वयं भगवान का निवास बन जाता है। उन्होंने कहा कि कलियुग में ईश्वर की प्राप्ति और आत्मिक शांति के लिए श्रीमद्भागवत का 7-दिवसीय (सप्ताह) श्रवण सबसे श्रेष्ठ और प्रत्यक्ष साधन माना गया है।

# भैयादूज पर भाई की हत्या के मामले में बहनोई और ससुर गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

## पारिवारिक विवाद और पुरानी रंजिश में रची गई थी हत्या की साजिश, पुलिस ने दोनों बाप-बेटों को भेजा जेल

शामली। कस्बा बनत के मोहल्ला गांधीनगर में भैयादूज पर बहन से मिलने आए मुजफ्फरनगर निवासी अंकुश की हत्या के मामले में आदर्श मंडी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतक का बहनोई अरुण कुमार और उसका ससुर संजीव कुमार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, पारिवारिक विवाद और पुरानी रंजिश के चलते हत्या की साजिश रची गई थी। जबकि वारदात में शामिल मुख्य आरोपी आकाश और उसका साथी रविकांत उर्फ रवि अभी फरार हैं। गत 11 नवंबर को जनपद मुजफ्फरनगर के कमलानगर निवासी अंकुश अपनी बहन मनीषा से मिलने कस्बा बनत के मोहल्ला गांधीनगर स्थित उसकी ससुराल आया था। इसी दौरान मनीषा का देवर आकाश उसे घर से बुलाकर अपने साथ ले गया। शाम करीब छह बजे अंकुश को घायल और बेहोशी की हालत में उसके घर के



बाहर छोड़ दिया गया। आरोपी उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता की तहरीर पर आदर्श मंडी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर हंगामा करते हुए जाम भी लगाया था। शुक्रवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतक के बहनोई अरुण कुमार और उसके ससुर संजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि अरुण कुमार की शादी वर्ष 2022 में मुजफ्फरनगर के कूकड़ा मंडी निवासी मनीषा के साथ हुई थी। गत 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर मनीषा अपनी बुआ के यहां चली गई थी। इस बात से नाराज होकर अरुण ने उसके साथ मारपीट कर दी थी। इससे मनीषा के मायके पक्ष के लोग नाराज हो गए थे। उस समय उसके भाई अंकुश ने अरुण का गिरेबान पकड़ लिया था। विवाद बढ़ने पर मनीषा ने अरुण के साथ जाने से इनकार कर दिया था। बाद में परिवार के लोगों के समझाने पर 30 अगस्त को दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और मनीषा वापस अपनी ससुराल आ गई थी।

इस घटनाक्रम से अरुण का छोटा भाई आकाश काफी नाराज था। उसने मनीषा के मायके पक्ष के लोगों को चुन-चुनकर मारने की धमकी भी दी थी। इसी रंजिश के चलते भैयादूज पर अंकुश के बनत पहुंचने पर आकाश ने अपने साथी र-विकांत उर्फ रवि के साथ मिलकर उसे अपने साथ ले जाने की योजना बनाई। एसपी एनपी सिह ने बताया कि आकाश ने अरुण को फोन कर अंकुश को ग्राम कंडेला स्थित उसकी मिनी ट्रांसपोर्ट की दुकान पर बुलवाया था। इसके बाद आकाश और रविकांत अंकुश को अपने साथ ले गए।

# रेशू फाटक अंडरपास के निर्माण में देरी बर्दाश्त नहीं, मंत्री कपिल देव ने मौके पर पहुंचकर परखी कार्य की रफ्तार

## अधिकारियों को समय-सीमा में निर्माण पूरा कराने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता न करने की हिदायत; अंडरपास बनने से विद्यार्थियों, व्यापारियों और रोजाना आने-जाने वाले लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

मुजफ्फरनगर। शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से निमार्णाधीन रेशू फाटक अंडरपास की परियोजना को लेकर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गंभीरता दिखाई है। शुक्रवार को उन्होंने कॉलेज के निकट स्थित रेशू फाटक अंडरपास के निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्य की गति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए और निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता न हो।

जिलाधिकारी और विभागीय अधिकारियों से ली निर्माण कार्य की जानकारी

निरीक्षण के दौरान मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और अपर जिलाधिकारी से बातचीत कर अंडरपास निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारी आर.के. उप्पल सहित अन्य अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति, अब तक हुए कार्य और आगे की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही निर्माण के दौरान सामने आ रही समस्याओं और उनके समाधान को लेकर भी जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों को समय रहते दूर किया जाए, ताकि किसी भी वजह से परियोजना में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कार्य की नियमित निगरानी करने और निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया को तय मानकों के अनुरूप पूरा कराने पर जोर दिया। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विकास परियोजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनका लाभ आम जनता को समय पर मिले। रेशू फाटक अंडरपास क्षेत्र की महत्वपूर्ण जरूरत है। ऐसे में निर्माण कार्य को गंभीरता से लेते हुए तय समय-सीमा में पूरा कराया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर



विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में गुणवत्ता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निर्माण कार्य इस तरह कराया जाए कि अंडरपास लंबे समय तक लोगों के लिए सुविधाजनक और सुरक्षित साबित हो। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पूरी जवाबदेही के साथ कार्य कराएं और निर्माण की प्रगति की लगातार समीक्षा करते रहें।

रेलवे फाटक पर जाम और इंतजार से मिलेगी राहत

मंत्री ने कहा कि रेशू फाटक अंडरपास का निर्माण पूरा होने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। फिलहाल रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। इससे न केवल समय की बबार्दी होती है, बल्कि व्यस्त समय में आसपास की सड़कों पर यातायात का दबाव भी बढ़ जाता है।

अंडरपास तैयार होने के बाद रेलवे फाटक पर निर्भरता कम होगी और लोगों को आवागमन का वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध होगा। इसका लाभ क्षेत्रवासियों के साथ-साथ श्रीराम कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी मिलेगा। व्यस्त समय में यातायात को सुचारु बनाने और जाम की समस्या कम करने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

विकास कार्यों का लाभ कागजों में नहीं, जनता तक पहुंचना चाहिए

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जनता को बेहतर आवागमन, सुरक्षित यातायात और आधुनिक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उनका लाभ निर्धारित समय पर आमजन तक पहुंचना चाहिए। इसी उद्देश्य से वह स्वयं विभिन्न विकास परियोजनाओं का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी से जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाना जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़कों, यातायात व्यवस्था और आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

# यूपी के 12 जिलों व कमिश्नरेट को मिले नए आईपीएस अधिकारी: पुलिस प्रशासन में हुई नई तैनाती

## लखनऊ, वाराणसी और गाजियाबाद, लखनऊ और वाराणसी कमिश्नरेट समेत प्रदेश के 12 प्रमुख जनपदों में हुई 2024 और 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों की तैनाती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ व आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2024 और 2025 बैच (आ-रआर) के कुल 12 युवा अधिकारियों को प्रदेश के विभिन्न जनपदों और पुलिस कमिश्नरेट में आवंटित किया गया है। इन युवा अधिकारियों की तैनाती से मैदानी पुलिसिंग में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद है। प्रमुख कमिश्नरेट में तीन अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी जारी सूची के अनुसार, प्रदेश के तीन बड़े पुलिस कमिश्नरेट में युवा आईपीएस अधिकारियों को भेजा गया है। 2024 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री शिवांक चौधरी को राजधानी कमिश्नरेट लखनऊ आवंटित किया गया है। वहीं, 2025 बैच के श्री आदित्य आचार्य को कमिश्नरेट वाराणसी और श्री आर्येन्द्र कुमार को कमिश्नरेट गाजियाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा और प्रशिक्षित आईपीएस अधिकारियों की




फील्ड में तैनाती से न केवल आधुनिक पुलिसिंग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण में भी तेजी आएगी। पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक के जनपदों में तैनाती

शासन द्वारा जारी इस सूची में 2025 बैच के 7 और 2024 बैच के 5 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें तीन महिला आईपीएस अधिकारी भी हैं। पूर्वांचल और अवध क्षेत्र के प्रमुख जिलों की बात करें तो 2025 बैच के अभिषेक अंजनी सिंह को गोरखपुर, अक्षत मण्डिवाल को जौनपुर और कुणाल कुमार को प्रतापगढ़ जनपद आवंटित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 2024 बैच की महिला अधिकारी सुश्री के. अर्पिता को हरदोई और योगेन्द्र मीणा को सीतापुर भेजा गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड-मध्य क्षेत्र के जिले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण जनपद सहारनपुर में 2025 बैच के कुणाल यादव की तैनाती की गई है। वहीं, 2024 बैच की सुश्री सृष्टि मिश्रा को धार्मिक नगरी मथुरा और राजेन्द्र बिश्नोई को एटा जनपद आवंटित किया गया है। इसके साथ ही 2025 बैच की महिला अधिकारी सुश्री कशिश कालरा को कानपुर देहात जनपद की जिम्मेदारी दी गई है।

# दिल्ली में रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने मनाया स्थापना दिवस: देशभक्ति के जज्बे और जन-सेवा का संकल्प, रेलवे ट्रैक किनारे बसे लोगों से किया संवाद

## दयालबस्ती परिसर में वरिष्ठ समादेष्टा अनुभव जैन के नेतृत्व में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा विशेष बल की 6वीं वाहिनी, दयालबस्ती द्वारा शुक्रवार को बल का स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, देशभक्ति के उत्साह और राष्ट्र सेवा के नवीन संकल्प के साथ मनाया गया। दिन भर चले इस भव्य आयोजन में अनु-शासन, शारीरिक फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की अनूठी झलक देखने को मिली। समारोह का आगाज प्रातःकालीन विशेष योग सत्र के साथ हुआ। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य बल के जवानों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। योग प्रशिक्षकों और अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रेल सुरक्षा जैसे चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए जवानों की शारीरिक सहनशक्ति और मानसि-



क सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। रेलवे की संपत्ति और यात्रियों की स-रक्षा हमारा सर्वोपरि धर्म है। स्वच्छता और जन-सहभागिता के माध्यम से हम एक सुरक्षित और स्वस्थ रेल नेटवर्क का निर्माण कर सकते हैं।" समाज सेवा और स्वच्छ भारत, हरित भारत अभियान की भावना को स-ाकार करते हुए वाहिनी परिसर में एक विशाल श्रमदान (स्वच्छता अभियान) चलाया गया। 6वीं वाहिनी आरपीएसएफ के वरिष्ठ समादेष्टा (सीनियर सीओ) अनुभव जैन ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए बड़ी संख्या में अधिकारियों व जवानों के साथ मिलकर सफाई अभियान का नेतृत्व किया। इस पहल के माध्यम से जवानों ने स्वच्छ, स्वस्थ और हरित कार्य वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। स्थापना दिवस को केवल परिसर तक सीमित न रखते हुए आरपीएसएफ ने अपनी सामुदायिक पुलिसिंग पहल के तहत आम जनता से सीधा जुड़ाव किया। जवानों की टोलियों ने रेलवे ट्रैक के किनारे और स्टेशन के आसपास रहने वाले स्थानीय निवासियों के साथ संवाद किया। जवानों ने लोगों को समझाया कि रेलवे की सुरक्षा और संरक्षा को मजबूत करने में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना, संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की तत्काल सूचना देने के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। दिन भर के सेवा कार्यों के बाद शाम के समय जवानों में टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और स्फूर्ति बनाए रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें वॉलीबॉल मैच और शतरंज चैंपियनशिप में जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

# मुजफ्फरनगर में बाल दिवस की धूम:शिक्षकों ने विद्यार्थी बनकर बच्चों को किया मंत्रमुग्ध

## एमजी वर्ल्ड विजन स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा से हुई कार्यक्रम की शुरूआत, शिक्षकों की प्रतियोगिताओं के साथ मनाया गया बाल दिवस

मुजफ्फरनगर। एमजी वर्ल्ड विजन स्कूल में शुक्रवार को बाल दिवस का पर्व हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित सांस्कृतिक, रचनात्मक और खेल गतिविधियों ने बच्चों के लिए दिन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में जहां शिक्षकों ने विद्यार्थियों की भूमिका निभाकर विशेष प्रार्थना सभा को मनोरंजक बनाया, वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। बाल दिवस के साथ विद्यालय में खेल दिवस स्पार्टा का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे जोश के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एक अनूठी विशेष प्रार्थना सभा से हुआ। इसमें विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों की भूमिका निभाते हुए आकर्षक और मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं। शिक्षकों के इस बदले हुए अंदाज को देखकर बच्चे खासे उत्साहित नजर आए। उनकी रंगारंग प्रस्तुतियों, रोचक




गतिविधियों और हास्यपूर्ण अंदाज ने बच्चों का भरपूर मनोरंजन किया। इस पहल ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच आपसी जुड़ाव को भी और मजबूत बनाया। बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, सामाजिक समझ और अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कक्षा तीन, चार और पांच के विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा, सभी के लिए शिक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कला के माध्यम से संदेश लेखन प्रतियोगिता कराई गई। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए इन विषयों पर जागरूकता से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। वहीं, कक्षा छह और सात के विद्यार्थियों के लिए कुकिंग विद एंड विदाउट फायर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कक्षा आठ, नौ और 11 के विद्यार्थियों ने स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में भाग लेकर विभिन्न विषयों पर प्रभावशाली और प्रेरणादायक संदेश लिखे। बाल दिवस के समारोह को और रोमांचक बनाते हुए विद्यालय में खेल दिवस स्पार्टा का आयोजन भी किया गया। इसमें विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक और चुनौतीपूर्ण खेल प्रतियोगिताएं रखी गईं। रेडी टू स्कूल, मेक ए टावर, हर्डल रेस, स्किपिंग रेस, हुला हूप और रिले रेस जैसी गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को शा-रीरिक सक्रियता, आपसी सहयोग, अनुशासन, एकाग्रता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का परिचय देने का अवसर मिला। मैदान में बच्चों का उत्साह और खेलों के प्रति उनकी रुचि देखते ही बन रही थी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मृणालिनी अनंत ने सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों का बचपन जीवन का सबसे अनमोल समय होता है।

# शामली शुगर मिल में तकनीकी खराबी से लगा भीषण जाम, शहर की सड़कों पर घंटों रेंगते रहे वाहन

## मिल गेट से अग्रसैन पार्क और हनुमान रोड तक लगी गन्ना वाहनों की लंबी कतारें, ट्रैफिक पुलिस नदारद

शामली। त्रिवेणी ग्रुप की शामली शुगर मिल में तकनीकी खराबी आने से गन्ने की पेराई प्रभावित हो गई। इसके चलते शहर की सड़कों पर गन्ना वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और भीषण जाम की स्थिति बन गई। मिल गेट से लेकर अग्रसैन पार्क और हनुमान रोड तक गन्ने से भरे वाहनों की कतारें लगी रहीं। जाम के कारण शहरवासियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शामली शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू हुए अभी एक दिन भी पूरा नहीं हुआ था कि शुक्रवार को अचानक तकनीकी खराबी के चलते मिल का संचालन प्रभावित हो गया। गन्ने की आपूर्ति बाधित होने के कारण किसानों द्वारा मिल में लाए गए गन्ने के वाहनों की कतारें लगनी शुरू हो गईं। देखते ही देखते जाम ने विकराल रूप ले लिया। इसका असर



वर्मा मार्केट, वीवी इंटर कॉलेज रोड, शिव चौक और भिक्की मोड़ तक दिखाई दिया। जाम में फंसे वाहन चालकों को निकलने का रास्ता तक नहीं मिला। मिनटों का सफर तय करने में लोगों को घंटों लग गए। हैरानी की बात यह रही कि शहर में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहने के बावजूद यातायात व्यवस्था संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस प्रभावी रूप से नजर नहीं आई। गन्ना वाहनों को शहर के बाहर रोकने और यातायात सुचारू कराने की व्यवस्था नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। वहीं, मिल अधिकारी दीपक राणा ने बताया कि मिल में कोई बड़ी समस्या नहीं है।

जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। कुछ गन्ना वाहनों को मिल के बाहर ही रोक दिया गया है।

# छठ पर्व की तैयारी को लेकर नगर आयुक्त ने घाटों का किया निरीक्षण, सफाई मित्रों के साथ चलाया स्वच्छता अभियान

## डीएम व नगर आयुक्त ने हिंडन छठ घाट पर पूजा अर्चना के साथ की छठ पर्व की शुरूआत, दी शुभकामनाएं

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा हिंडन नदी छठ घाट का निरीक्षण किया गया सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया । मौके पर पूर्वांचल समाज के श्रद्धालुओं के साथ तथा पुरबिया जनकल्याण परिषद समिति के सदस्यों के साथ पूजा अर्चना की गई छठ पर्व का शुभारंभ किया गया मौके पर डीएम तथा नगर आयुक्त द्वारा सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी गई व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रूप से छठ पर्व मनाया जा रहा है गाजियाबाद नगर निगम पुलिस प्रशासन सभी विभाग संयुक्त रूप से कार्यवाही कर रहे हैं जिसके क्रम में शहर के सभी घाटों पर प्रकाश व्यवस्था पेयजल की व्यवस्था व



अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर किया गया है जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित जनों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी गई '

नगर आयुक्त द्वारा सफाई मित्रों के साथ सफाई अभियान चलाया गया साथ ही उपस्थित नगर निगम के अधिकारियों को व्यवस्था बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि लगभग 60 कैमरे निगरानी के लिए हिंडन प्रमुख छठ घाट पर लगाए गए हैं, 35 से 40 चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं, एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है इसी क्रम में श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है। अस्थाई रूप से 200 से अधिक लिए लगाई गई हैं, रंग बिरंगी लाइटों से घाट कों सुंदर बनाया जाएगा, आकर्षण का केंद्र इस बार भी म्यूजिकल लेजर शो रहेगा जिसको पिछले वर्ष से और अधिक बेहतर किया गया है स्वास्थ्य विभाग द्वारा डस्टबिन की व्यवस्था घाटों पर की गई है मुख्य घाट हिंडन पर चार से पांच मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएंगे अर्पण कलश लगभग 10 रहेंगे 50 से अधिक सफाई मित्रों की ड्यूटी रोस्टर के क्रम में 24 घंटे के लिए लगाई गई है 10 सफाई नायकों की मॉनिटरिंग रहेगी इसके अलावा जलकल विभाग द्वारा स्थाई रूप से 60 टंकियां लगाई गई है, दो नाव रहेगी जो की आने वाली जलकुंभियों को हटाने का कार्य करेंगे, फूलों से भी घाट को सजाया जाएगा इसी के साथ रंग बिरंगी लाइटों से प्रमुख घाट हिंडन को सजाया जा रहा है इसके अलावा अन्य लगभग 80 घाटों पर गाजियाबाद नगर निगम की व्यवस्था बनी हुई है '

गाजियाबाद नगर निगम महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार छठ पर्व को और अधिक भव्य बनाने में जुटा हुआ है डीएम तथा नगर आयुक्त के द्वारा छठ पर्व का शुभारंभ हिंडन घाट पर पूजा अर्चना के साथ किया गया मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे नगर आयुक्त द्वारा निगम के सभी विभागीय अधिकारियों को छठ घाट के रूट पर विशेष रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए लगातार चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग को और अधिक प्रबल बनाने के लिए कहा गया 24 घंटे की ड्यूटी रोस्टर के क्रम में घाटों पर लगाई गई मौके पर गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार वर टीम भी उपस्थित रही।

# मोबाइल टावर से बैटरी चोरी करने वाले चार शातिर चोर गिरफ्तार, दो लिथियम बैटरी बरामद

*पुरकाजी पुलिस ने गोधना गांव के जंगल से कैंपा जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर पकड़े आरोपी, नई मंडी और सहारनपुर के रहने वाले हैं गिरफ्तार अभियुक्त*

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र में मोबाइल टावर से लिथियम बैटरी चोरी करने की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो लिथियम बैटरी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी शातिर चोर हैं और मोबाइल टावरों को निशाना बनाकर बैटरी चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। चारों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर को इंडस भारती मोबाइल टावर कंपनी के एरिया मैनेजर विनय कुमार ने थाना पुरकाजी में लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि अज्ञात चोरों ने ग्राम गोधना में लगे कंपनी के मोबाइल टावर से लिथियम बैटरी चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 185/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

गोधना के जंगल में घेराबंदी कर दबोचे गए चारों आरोपी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत पुरकाजी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार और थाना प्रभारी मानवेन्द्र भाटी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों ने सुराग जुटाए। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 13 नवंबर को ग्राम गोधना के जंगल से कैंपा जाने वाले रास्ते पर चारों




आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की गई दो लिथियम बैटरी बरामद हुईं। मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के रहने वाले हैं आरोपी पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनीत पुत्र देवेन्द्र निवासी बचन सिंह कॉलोनी, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर; अंकित पुत्र जनेश निवासी ग्राम मखियाली, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर; अमित पुत्र कुंवरपाल निवासी विनोद विहार, थाना सदर, सहारनपुर और अब्दुल रहमान पुत्र शमीम निवासी दुधली बुखारा, थाना कोतवाली देहात, सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों के कब्जे से दो लिथियम बैटरी बरामद की हैं, जो गोधना स्थित मोबाइल टावर से चोरी की गई थीं। इस मामले में थाना पुरकाजी पर मुकदमा अपराध संख्या 185/2026 में धारा 303(2) और 317(2) बीएनएस की धाराएं दर्ज हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बरामदगी के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विक्रम वीरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक दीपक कुमार, हेड कांस्टेबल गौरव राणा, कांस्टेबल बोबिन्दर सिंह, बबलू कुमार और अमित कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और ऐसे अपराधों में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी रहेगा।

# दवाओं का जिम्मा संभालने वाले फार्मासिस्टों ने उठाई अपने हक की आवाज, सीएमओ कार्यालय पर गरजे कर्मचारी

*18 सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, पदनाम परिवर्तन, वेतनमान में सुधार और औषधियों का नुस्खा लिखने का अधिकार देने की मांग; मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन*

मुजफ्फरनगर। अस्पतालों में मरीजों तक दवाएं पहुंचाने और उनके सही उपयोग की जानकारी देने की जिम्मेदारी संभालने वाले फार्मासिस्ट अब अपनी ही लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर हैं। दीपावली के बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए अपनी आवाज बुलंद की। शुक्रवार को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की जिला इकाई के नेतृत्व में फार्मासिस्टों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने 18 सूत्रीय मांगों पर लंबे समय से निर्णय नहीं होने पर रोष जताया और शासन से जल्द समाधान की मांग की। धरने के बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया को सौंपा गया।

वेतनमान और पद की जिम्मेदारी के अनुरूप सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप धरने का नेतृत्व डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की जिला इकाई के अध्यक्ष रोहित चौधरी और मंत्री



मनोज त्यागी ने किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में फार्मासिस्ट संवर्ग के कर्मचारियों को उनकी शैक्षिक योग्यता, पद की जिम्मेदारियों और कार्यदायित्व के अनुरूप वेतनमान नहीं मिल रहा है। उच्च पदों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं भी लंबे समय से लंबित हैं। वक्ताओं के अनुसार, इससे फार्मासिस्ट संवर्ग में असंतोष बढ़ रहा है और कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन ने अपनी 18 सूत्रीय मांगों में पदनाम परिवर्तन, फार्मासिस्टों को औषधियों का नुस्खा लिखने का अधिकार देने और पदों के सृजन से जुड़े मानकों में संशोधन की मांग प्रमुखता से उठाई। कर्मचारियों का कहना था कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। दवाओं के वितरण, उनके सुरक्षित उपयोग और मरीजों को औषधियों से संबंधित जरूरी जानकारी देने में उनकी अहम भूमिका रहती है। ऐसे में संवर्ग की जिम्मेदारियों और योग्यता के अनुरूप सेवा शर्तों में सुधार किया जाना जरूरी है। धरने में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि संगठन लंबे समय से 18 सूत्रीय मांग पत्र के माध्यम से शासन के सामने अपनी समस्याएं रख रहा है, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। शासन और महानिदेशालय स्तर पर अधिकारियों की उदासीनता के चलते संगठन के प्रतिनिधियों के साथ प्रभावी वार्ता तक नहीं की जा रही है। कर्मचारियों ने कहा कि लगातार मांग उठाने के बावजूद समाधान नहीं निकलने से उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। फार्मासिस्टों के इस आंदोलन को एनएचएम के संविदा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के साथ संयुक्त राज्य कर्मचारी परिषद का भी समर्थन मिला।

# भाजपा सांप्रदायिकता के सहारे तलाशती है वोट का रास्ता, विकास उसके एजेंडे में नहीं : गौरव जैन

*रेशू विहार रेलवे फाटक पर अंडरपास निर्माण से बिगड़ी यातायात व्यवस्था पर सपा नेता ने उठाए सवाल, बोले- जाम में फंस रहे लोग, स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को भी हो रही परेशानी*

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी गौरव कुमार जैन ने रेशू विहार रेलवे फाटक पर निमार्णाधीन अंडरपास को लेकर भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिकता के सहारे वोट का रास्ता तलाशती है, जबकि विकास कार्य और आम जनता की बुनियादी समस्याओं का समाधान उसके एजेंडे में दिखाई नहीं देता। रेशू विहार रेलवे फाटक पर अंडरपास निर्माण के चलते बिगड़ी यातायात व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों और कॉलेज के विद्यार्थियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

निर्माण शुरू होने से पहले वैकल्पिक यातायात व्यवस्था नहीं करने का आरोप गौरव जैन ने कहा कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही रेशू विहार रेलवे फाटक पर प्रस्तावित अंडरपास निर्माण को लेकर सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सवाल किए थे। उन्होंने आशंका जताई थी कि पर्याप्त तैयारी, वैकल्पिक मार्गों और ठोस कार्ययोजना के बिना निर्माण कार्य शुरू किया गया तो आम जनता को परेशानी उठानी पड़ेगी। अब निर्माण कार्य के दौरान यातायात संबंधी अव्यवस्थाओं के रूप में वही आशंकाएं सामने आ रही हैं। क्षेत्र के लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है और जाम की स्थिति से रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। सपा नेता ने कहा कि रेशू विहार रेलवे फाटक का मार्ग बड़ी संख्या में लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। इस मार्ग से प्रतिदिन स्कूलों और कॉलेजों के



छात्र-छात्राएं भी गुजरते हैं। निर्माण कार्य के चलते रास्ते में पैदा हुई अव्यवस्थाओं के कारण विद्यार्थियों को अपने शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को सुविधाएं देना होता है, लेकिन बिना उचित व्यवस्था के निर्माण कार्य शुरू कर देना लोगों को परेशानी में डालने जैसा है। गौरव जैन ने स्थानीय विधायक एवं राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल से सवाल किया कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले वैकल्पिक मार्गों और सुचारु यातायात की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। क्या जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल विकास कार्यों का श्रेय लेने तक सीमित है? उन्होंने सरकार और स्थानीय मंत्री से अंडरपास की स्वीकृत योजना, निर्माण की लागत, गुणवत्ता और काम पूरा करने की निर्धारित समयसीमा सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए और जनता को यह जानकारी मिलनी चाहिए कि परियोजना कब तक पूरी होगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए गौरव जैन ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए धार्मिक और सांप्रदायिक विषयों को आगे रखते हैं। जब सड़क, यातायात, शिक्षा, रोजगार और जनसुविधाओं की बात आती है तो विकास के दावों की जवाबदेही पर सवाल खड़े होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता को राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि अपनी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान चाहिए। गौरव जैन ने कहा कि जनता सब देख रही है और लोकतंत्र में सरकार के कामकाज का अंतिम मूल्यांकन जनता ही करती है। यदि आम नागरिकों की समस्याओं की इसी तरह अनदेखी होती रही तो आने वाले चुनावों में भाजपा को जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता की परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए जवाबदेही निभानी चाहिए।

# मुजफ्फरनगर की छह विधानसभा सीटों पर मतदान केंद्रों का पुनर्गठन पूरा, निर्वाचन आयोग ने दी प्रस्तावों को मंजूरी

*जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने मतदेय स्थलों की नई सूचियों के प्रकाशन का जारी किया नोटिस, बुढ़ाना से मीरापुर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों और मतदाता क्षेत्रों का होगा निर्धारण*

मुजफ्फरनगर। आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारू बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले की सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की ओर से प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। इसके बाद जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने मतदेय स्थलों से संबंधित सूचियों के प्रकाशन का नोटिस जारी किया है। नई सूचियों में विधानसभा क्षेत्रवार मतदान केंद्रों, मतदेय स्थलों और उनसे संबंधित मतदान क्षेत्रों अथवा मतदाताओं के समूहों का विवरण शामिल किया गया है। यह पूरी प्रक्रिया एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलियों के लिए मतदेय स्थलों के संभाजन (पुनर्गठन) के तहत पूरी की गई है। प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, जनपद के सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों से संबंधित प्रस्तावों को निर्वाचन आयोग की मंजूरी मिलने के बाद अब उनकी सूचियां सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जा रही हैं। मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया में जनपद की सभी छह विधानसभा सीटों को शामिल किया गया है। इनमें 11-बुढ़ाना, 12-चरथावल, 13-पुरकाजी (अनुसूचित जाति), 14-मुजफ्फरनगर, 15-खतौली और 16-मीरापुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदेय स्थलों से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अनुमोदन के लिए भेजे गए थे। इन प्रस्तावों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश और भारत निर्वाचन आयोग की स्वीकृति मिलने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने सूचियों के प्रकाशन की औपचारिक कार्रवाई की है।

भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिला अनुमोदन

जिला प्रशासन के अनुसार, मतदेय स्थलों के पुनर्गठन से संबंधित प्रस्तावों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय के पत्र संख्या 1106/सीईओ-2-01/2-2026 टीसी, दिनांक चार नवंबर 2026 के माध्यम से अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्र संख्या 64/भा.नि.आ./पत्र/टेर./उ.अ.-~~xxxx~~ उ.प्र./2026 (संभाजन), दिनांक 30 अक्टूबर 2026 के तहत भी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। दोनों स्तरों से अनुमोदन मिलने के बाद अब जनपद में मतदेय स्थलों की सूचियों के प्रकाशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

# कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर एसएसपी ने शुक्रताल में परखी सुरक्षा व्यवस्था, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

गंगा घाटों से लेकर मेला क्षेत्र तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा, भारी भीड़ के मद्देनजर पर्याप्त पुलिस बल, जल पुलिस और गोताखोरों की तैनाती के निर्देश; सीसीटीवी, पार्किंग और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर

मुजफ्फरनगर। ऐतिहासिक तीर्थनगरी शुक्रताल में आगामी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले गंगा स्नान मेले को सकुशल और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों के साथ शुक्रताल पहुंचकर मेला क्षेत्र और गंगा घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं।

गंगा घाटों और मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण

शुक्रताल में आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते



हैं। इस दौरान गंगा में स्नान करने के साथ श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन भी करते हैं। श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को देखते हुए एसएसपी सूरज कुमार राय ने मेला क्षेत्र, गंगा घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले प्रमुख रास्तों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

जल पुलिस और गोताखोरों की तैनाती के निर्देश

एसएसपी ने गंगा घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि स्नान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध किए जाएं। घाटों पर जल पुलिस और गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घाटों पर निगरानी और आवश्यक चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए।

भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनेगी विशेष योजना

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए एसएसपी ने भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। पुलिसकर्मी लगातार गश्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए प्रमुख रास्तों पर पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

पार्किंग, बैरिकेडिंग और यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने यातायात व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था की जाए, ताकि मेला क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग कराई जाए और वाहनों तथा पैदल श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही दिशा-सूचक और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को रास्तों की जानकारी आसानी से मिल सके।

# शहर में मोबाइल चोरी और लूट करने वाले पांच आरोपियों का गिरोह पकड़ा, 12 मोबाइल और दो चाकू बरामद; चोरी की वारदात के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने किया खुलासा

*कोतवाली नगर पुलिस की कार्रवाई, चार युवक गिरफ्तार और एक बाल अपचारी को लिया हिरासत में; चोरी के मोबाइल के साथ 11 अन्य मोबाइल भी मिले, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद*

मुजफ्फरनगर। शहर में मोबाइल चोरी और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का कोतवाली नगर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के मोबाइल सहित कुल 12 मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू और चोरी की घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और शहर में मोबाइल चोरी तथा लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। बरामद मोबाइल फोन में स्मार्टफोन के साथ दो की-पैड वाले फोन भी शामिल हैं। जगदीश पांचाल वाली गली के अंदर मार्केट में घेराबंदी कर पकड़े आरोपी

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 13 नवंबर को कोतवाली नगर पुलिस की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान जगदीश पांचाल वाली गली के अंदर मार्केट में पुलिस ने चार युवकों



को एक बाल अपचारी के साथ पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी के मुकदमे में गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। इसके अलावा पुलिस को अन्य चोरी और लूट के 11 मोबाइल फोन भी मिले। इस तरह कुल 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अवैध चाकू भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, थाना कोतवाली नगर में दर्ज मुकदमा संख्या 502/2026, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मोबाइल चोरी की घटना दर्ज थी। पुलिस ने इस घटना में चोरी गए मोबाइल को आरोपियों के कब्जे से बरामद कर लिया। इसके बाद बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई।पुलिस ने इस मामले में मुकदमा संख्या 502/2026 में धारा 303(2) और 317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई की है। वहीं अवैध चाकू बरामद होने के संबंध में मुकदमा संख्या 503/2026 धारा 4/25 आयुध अधिनियम तथा 317(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की तलाशी में आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन बरामद हुए। इनमें ओप्पो, एमआई, सैमसंग, मोटोरोला और वीवो कंपनी के स्मार्टफोन शामिल हैं। इसके अलावा लावा कंपनी का नीले रंग का और जेन कंपनी का काले रंग का एक-एक की-पैड मोबाइल भी बरामद हुआ है। बरामद मोबाइलों में कुछ हल्के सुनहरे, महरून, हरे, नीले और काले रंग के हैं। पुलिस के अनुसार, ये मोबाइल चोरी और लूट की घटनाओं से संबंधित हैं। बरामदगी में एक ऐसा ओप्पो मोबाइल भी शामिल है, जो चालू हालत में नहीं था।

दो चाकू और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी मिली

मोबाइल फोन के अलावा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। साथ ही चोरी की घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल संख्या यूपी-12-सीबी-6631 को भी कब्जे में लिया गया है। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों और उनसे जुड़ी घटनाओं की जानकारी जुटा रही है, ताकि अन्य वारदातों का भी पता लगाया जा सके।

गिरफ्तार आरोपियों में चार युवक, एक बाल अपचारी शामिल

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान क्रिष पुत्र देवेंद्र चौधरी निवासी हरेंद्र मलिक के मकान के पास, चौकी शामली स्टैंड, थाना कोतवाली नगर, कन्हैया पाल पुत्र नीटू निवासी आनंदपुरी पेट्रोल पंप के सामने, थाना सिविल लाइन, विक्की उर्फ गोलू पुत्र बिट्टू निवासी सुभाष चेयरमैन वाली गली, पेट्रोल पंप के पास रामपुरी, थाना कोतवाली नगर, राजन पुत्र अमरपाल सिंह निवासी बाड़े के पास रामपुरी, थाना कोतवाली नगर के रूप में की है। इनके साथ एक बाल अपचारी को भी पकड़ा गया है।

# जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर अधिकारियों की जवाबदेही तय, असंतुष्ट शिकायतकर्ता से बात किए बिना पोर्टल पर अपलोड नहीं होगी आख्या

*एडीएम वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने आईजीआरएस, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और कर-करेत्तर वसूली की समीक्षा में दिखाई सख्ती, डिफाल्टर श्रेणी में शिकायत पहुंचने पर कार्रवाई की चेतावनी; जनगणना-2027 की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश*

मुजफ्फरनगर। जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और शिकायतकताओं की असंतुष्टि को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण करने के बजाय शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता देनी होगी। असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों में शिकायतकर्ता से संपर्क कर बातचीत करने के बाद ही निस्तारण की आख्या पोर्टल पर अपलोड कराई जाएगी। शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित नहीं करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कलेक्ट्रेट स्थित जिला पंचायत सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और कर-करेत्तर प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य



करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी जनशिकायत डिफाल्टर श्रेणी में नहीं पहुंचनी चाहिए। शिकायतों का निस्तारण अंतिम समय का इंतजार किए बिना समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। शिकायत निस्तारण में औपचारिकता नहीं, शिकायतकर्ता की संतुष्टि जरूरी एडीएम गंभीर सिंह ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक संदर्भ का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। शिकायत का निस्तारण केवल पोर्टल पर आख्या अपलोड करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान भी होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सी श्रेणी और असंतुष्ट फीडबैक वाले संदर्भों का निस्तारण करने से पहले शिकायतकर्ता से संपर्क किया जाए। उससे बातचीत कर उसकी समस्या और असंतुष्टि का कारण समझा जाए।

इसके बाद ही संबंधित अधिकारी निस्तारण की आख्या पोर्टल पर अपलोड कराएं। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के फीडबैक को गंभीरता से लेते हुए शत-प्रतिशत बेहतर परिणाम प्राप्त करने का प्रयास किया जाए। बैठक में विद्युत विभाग के सभी खंडों, जिला पंचायतीराज विभाग, लघु सिंचाई, जल निगम ग्रामीण, विकास प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा, ग्राम विकास, जिला चकबंदी और जिला पूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों के शिकायत संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की गई।

# बंद मकानों को निशाना बनाकर नकबजनी करने वाले पांच शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों के सोने-चांदी के आभूषण बरामद

*मंसूरपुर पुलिस ने जड़ौदा गांव में हुई दो बड़ी चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, 66 हजार 300 रुपये नकद और दो अवैध तमंचे व चार कारतूस भी मिले; जीशान और विशु उर्फ पाली पर पहले से दर्ज हैं मुकदमे*

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव जड़ौदा में बंद मकानों को निशाना बनाकर नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, 66 हजार 300 रुपये की नकदी और दो अवैध तमंचे सहित चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सभी पांच युवक गांव जड़ौदा के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने गांव में दो बंद मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंद मकानों में चोरी की दो घटनाओं से पुलिस के सामने थी चुनौती

क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय चौधरी ने पुलिस कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि गांव जड़ौदा निवासी राधेश्याम के बंद मकान में 15 अक्टूबर 2026 को अज्ञात चोरों ने नकब लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद नौ नवंबर 2026 को इसी गांव के



निवासी सनीश के बंद मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया। दोनों घटनाओं में घरों से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी की गई थी। पीड़ितों की शिकायत पर थाना मंसूरपुर में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए थे। पहली घटना के संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 302/26 तथा दूसरी घटना के संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 338/26 धारा 305(ए), 331(4) और 317(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था।

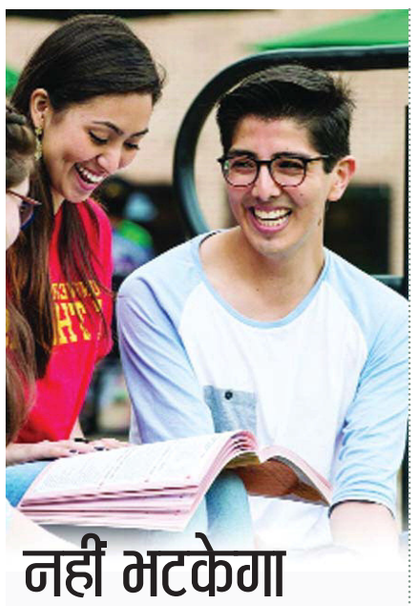
तीन पुलिस टीमों को सौंपी गई थी खुलासे की जिम्मेदारी

लगातार हुई नकबजनी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में मंसूरपुर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। दोनों घटनाओं का खुलासा करने के लिए थाना स्तर पर तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने घटनास्थलों का निरीक्षण करने के साथ संदिग्धों की जानकारी जुटाई और चोरों की तलाश में लगातार दबिश दी। इसी अभियान के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे।

चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पांचों आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, 12 और 13 नवंबर की मध्यरात्रि को पुलिस टीम जड़ौदा से बेरी वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नकबजनी की घटनाओं में शामिल संदिग्ध वहां मौजूद हैं। पुलिस ने सुलेमान की ट्यूबवेल के सामने घेराबंदी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, 66 हजार 300 रुपये नकद और दो अवैध तमंचे बरामद हुए। दोनों तमंचे .315 बोर के हैं और उनके साथ चार जिंदा कारतूस भी मिले हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीशान पुत्र तैय्यब, विशु उर्फ पाली पुत्र चन्द्रपाल, चांद पुत्र सहेंद्र, रवि पुत्र रविन्द्र और गौरव पुत्र अशोक के रूप में की है। सभी आरोपी थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव जड़ौदा के निवासी हैं। उनकी उम्र करीब 19 से 22 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बरामदगी के आधार पर दोनों नकबजनी की घटनाओं का खुलासा किया गया है। सोने-चांदी के आभूषणों की लंबी बरामदगी सूची

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। बरामद स



## नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन, इन टिप्स को अपनाएं

**इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं**

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।



# कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है

**हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं।**

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं। जून-जुलाई में विदेशी यूनिवर्सिटीज की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जो बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चलती रहती है। वहीं इस साल भी विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्रो ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

वहीं बाकी के छात्र एमबीबीएस काउंसिलिंग पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। भारत में आई अनिश्चितता से अंतराष्ट्रीय यूनिवर्सिटीज एडमिशन प्रोसेस की डेट्स में बदलाव नहीं करेंगे। इसलिए भारत में नीट परीत्रा पास कर चुके छात्रों के पास अब एक ही ऑप्शन बचा है कि वह एमबीबीएस काउंसिलिंग राउंड में हिस्सा लेकर विदेशी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस के लिए अपनी सीट आरक्षित करें। इससे अगर आपको भारत में सीट नहीं मिली तो कम से कम आपका साल बर्बाद नहीं होगा और विदेश में एमबीबीएस के लिए सीट मिल जाएगी। क्योंकि कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चीन और रूस आदि देशो में अधिकतर यूनिवर्सिटी वीजा जारी करने से पहले ट्यूशन फीस का भुगतान नहीं लेतीं।

### विदेश में एमबीबीएस

हर मेडिकल स्टूडेंट को नेशनल एग्जिट टेस्ट देना अनिवार्य है। इसका मतलब यह हुआ कि भले ही आप एम्स में पढ़ाई कर रहे हों, या किसी डीम्ड यूनिवर्सिटी में या फिर विदेश से स्नातक हों। प्रैक्टिस करने का लाइसेंस पाने के लिए सभी डॉक्टरों को भारत में NExT लाइसेंस परीक्षा पास करनी होगी। NMC भारत और विदेश से स्नातक करने वालों को एक समान मानता है। ऐसे में भारत में प्रबंधन/एमबीबीएस सीटों के लिए छात्र भारी फीस क्यों चुकाए। क्योंकि भारत में 1 करोड़ रुपए लागत वाली सीट भी प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस नहीं दे सकती है। ऐसे में यहां पर सरकारी सीट के लिए एमसीसी काउंसलिंग से गुजरने और विदेश में कम फीस वाले शीर्ष रैंक कॉलेज में अपनी सीट आरक्षित करने के ऑप्शन को चुनना चाहिए।

### जल्दबाजी में न लें एडमिशन

एडमिशन लेना सिर्फ आधे काम को पूरा करना है। स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम के अंत में जब स्टूडेंट वापस भारत आता है, तो उनको FMGE की जगह NExT की परीक्षा देनी होती है। पिछले 10 सालों में लाइसेंस परीक्षा FMGE के रिजल्ट परिणाम साफ दिखाते हैं कि एमबीबीएस में एडमिशन लेने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन असल समस्या बाहर निकलने के बाद है। हालांकि स्थानीय सलाहकार छात्रों को सिर्फ एमबीबीएस में प्रवेश प्रदान करते हैं, बाहर निकलने का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में आपको उन पेशेवर प्रदाताओं के पास जाने की जरूरत है, तो न सिर्फ आपको एडमिशन दे सकते हैं, बल्कि आपको NExT/USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं में मंजूरी की गारंटी भी दे सकते हैं।

### कजाकिस्तान की कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी

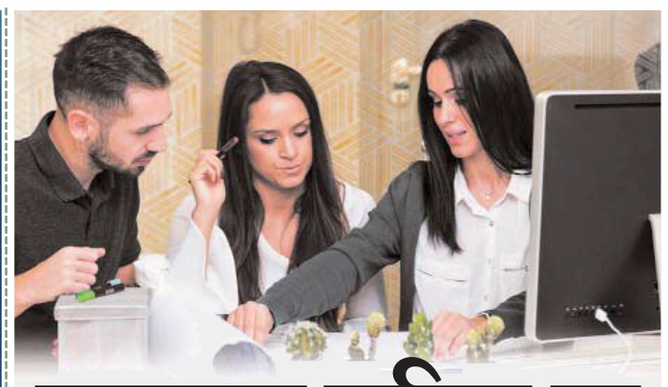
कजाकिस्तान में एमबीबीएस के लिए कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जो भारतीय छात्रों के लिए एकीकृत NExT बैच के कारण भारत में लाइसेंस के लिए गारंटी प्रदान करता है। वर्तमान समय में इस यूनिवर्सिटी में करीब 1,000 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं यहां पर NExT में 100% उत्तीर्ण अनुपात के साथ ही सफलता की वजह एमबीबीएस कोर्स में एकीकृत 6 साल की NExT कोचिंग है। यह यूनिवर्सिटी पहले साल से ही छात्रों को NExT की तैयारी करवाना शुरू कर देती है। वहीं हर सेमेस्टर के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है। यूनिवर्सिटी में पहले 150 स्टूडेंट्स को 100% स्कॉलरशिप के साथ यह पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है।

बता दें कि अगर आपका नीट स्कोर 500 से कम है, और एमबीबीएस कोर्स का बजट 40 लाख से रुपए से कम है। तो आपको प्लान बी के तहत विदेश से एमबीबीएस करना चाहिए। वरना आप NEET में फिर से एग्जाम देकर अपना एक साल और बर्बाद करेंगे।

आपको किसी ऐसे एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेना चाहिए, जो NExT/USMLE जैसी लाइसेंसी परीक्षाओं के लिए छात्रों को न तैयार करता हो। क्योंकि बिना लाइसेंस के भारत में डॉक्टर बनने की संभावना बेहद कम है। अगर आप न्यूरोलॉजिस्ट, त्वचा रोग विशेषज्ञ या हृदय रोग विशेषज्ञ आदि बनना चाहते हैं, तो आपको शुरूआत से ही USMLE की तैयारी करनी चाहिए।

वर्तमान समय में देखा जाए तो कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है। आप कजाकिस्तान के शीर्ष रैंक वाले सरकारी कॉलेज कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटेड एनईएक्सटी प्रोग्राम में एडमिशन ले सकते हैं। यहां पर आप NExT की भी तैयारी कर लेंगे। भारत से पहले 150 आवेदकों को इस यूनिवर्सिटी में NExT कोचिंग निःशुल्क यानी की फ्री में कराई जाती है। वहीं अगर आपका बजट अधिक यानी की 45 लाख रुपए के आसपास है। तो आप जॉर्जिया में एमबीबीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका में पीजी के लिए जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एकीकृत अमेरिकी कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।





# जबरदस्त करियर का नया रास्ता, मैनेजमेंट में करें पीएचडी

प्रबंधन यानी मैनेजमेंट में पीएचडी छात्रों के बीच लोकप्रिय ऑप्शन है। यह एक प्रतिष्ठित डिग्री आपका प्रोफेशनल प्रोफाइल बेहतर बनाती है। इंडस्ट्री और शिक्षा क्षेत्र में लीडरशिप रोल के लिए इसमें कई बेहतर मौके मौजूद हैं। अगर करियर में सुधार चाहते हैं तो यह डिग्री आपके लिए सही हो सकती है। बिजनेस और मैनेजमेंट की दुनिया में आजकल ज्यादा पढ़ाई करना जरूरी है। बहुत सारे स्टूडेंट्स मैनेजमेंट में पीएचडी करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह कोर्स अपने क्षेत्र के बारे में गहरी जानकारी देता है। अगर आप ऐसे में भविष्य में कामयाब होना चाहते हैं, तो मैनेजमेंट पीएचडी करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मैनेजमेंट में पीएचडी करने के बाद आपके पास बहुत सारे अच्छे जॉब के मौके होंगे। मैनेजमेंट पीएचडी करके छात्र अपनी यूनिवर्सिटी में लेक्चरर, पॉलिसी एनालिस्ट, स्ट्रेटेजिक मैनेजर, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट, मैनेजमेंट कंसल्टेंट, चीफ एक्जीक्यूटिव, ऑफिसर, क्वांटिटेटिव एनालिस्ट और बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। यह डिग्री आपको पढ़ाने और नौकरी, दोनों ही क्षेत्रों में काम करने का मौका देती है और जॉब की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मैनेजमेंट पीएचडी कोर्स पूरी दुनिया में मान्य है और आप बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के लिए योग्य बन जाते हैं। इस कोर्स से आप एक अच्छे विचारक, समस्याओं का हल निकालने वाले, बेहतर निर्णय लेने वाले और कुशल योजनाकार बनते हैं। इसके साथ आप मैनेजमेंट, काम सौंपने, बातचीत करने और मुश्किल व्यावसायिक परिस्थितियों को संभालने में भी माहिर बनते हैं।

## बढ़ रही है मैनेजमेंट में पीएचडी की मांग

दुनियाभर में उथल-पुथल के बाद दुनिया ने ऐसे लीडर्स की जरूरत महसूस की जो मुश्किल समय में भी सही फैसले ले सकें। मैनेजमेंट में पीएचडी से न सिर्फ छात्र, बल्कि उन कंपनियों को भी फायदा मिलता है जिन्हें अनिश्चित समय में नेतृत्व करने वाले कर्मचारियों की जरूरत है और नए जमाने की प्रतिभा रणनीतियों को लागू कर सकें।

### शोध और नवाचार

पीएचडी प्रोग्राम शोध और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। स्टूडेंट्स को नए विचारों पर काम करने, नई रणनीतियां बनाने के साथ मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपने ज्ञान का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आज के समय की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और प्रगति करने के लिए रिसर्च करना बहुत जरूरी है।

### शैक्षणिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग

ज्यादातर मैनेजमेंट पीएचडी प्रोग्राम शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग पर जोर देते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को प्रैक्टिकल जानकारी और असल दुनिया का अनुभव दोनों मिलें, जिससे उनकी रिसर्च प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। इससे थ्योरी ज्ञान और प्रैक्टिकल उपयोग के बीच की खाई को पाटने में भी मदद मिलती है।

### क्या पीएचडी करना आपके लिए सही है?

पीएचडी में दाखिला लेने से पहले, यह सोचने की जरूरत है कि क्या यह आपके करियर के लक्ष्यों के हिसाब से सही है। पीएचडी प्रोग्राम काफी कठिनाई भरे हो सकते हैं। इसके लिए पूरी लगन और रिसर्च के प्रति जुनून की जरूरत होती है। अगर आप हमेशा खुद को बेहतर बनाते रहने और करियर को आगे बढ़ाने में यकीन करते हैं, तो मैनेजमेंट में पीएचडी आपके लिए सटीक कदम है। मैनेजमेंट में पीएचडी धीरे-धीरे छात्रों के बीच लोकप्रिय हुआ है। यह प्रतिष्ठित डिग्री आपके प्रोफेशनल प्रोफाइल को बेहतर बनाती है। आज के समय में, जब कंपनियां अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोगों की तलाश कर रही हैं, तब यह डिग्री अच्छी नौकरियां व करियर में तरक्की दिलाने में सक्षम है।



# नई टेक्नोलॉजी के आने से तेजी से विकसित हुई है भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री

**भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है।**

किसी भी देश व सभ्यता के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत में भी यह इंडस्ट्री देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है। अब यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्कैंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। जिसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए, बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के निर्माण में पॉलिमर का विश्लेषण करते हैं। जिनका उपयोग सभी प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

### किस तरह का कोर्स करें

अगर आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मेन्युफैक्चर या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

### जॉब प्रोफाइल क्या है

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आप कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं। जिसमें मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

### करियर की संभावनाएं

इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं है। कोर्स पूरा होने के बाद आप टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

### सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रूपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप प्रति माह 50 हजार से एक लाख तक कमा सकते हैं। अगर आपने आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

# जनपद स्तरीय युवा उत्सव का भव्य आयोजन, विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

**गौतमबुद्धनगर।** विकसित भारत यंग लीडर कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल, सिरसा, ग्रेटर नोएडा में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर नेहरू युवा केंद्र, माय भारत के उपनिदेशक शिवेंद्र सिंह, प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी अमृता चौधरी, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल की प्रबंध निदेशिका नूतन भाटी, प्रधानाचार्य वंदना शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विभिन्न विद्यालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

युवा उत्सव के अंतर्गत युवाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पांच विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें लोक नृत्य समूह, नुक्कड़ नाटक समूह, पेंटिंग, कविता लेखन एवं लोकगीत प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं। जनपद के विभिन्न विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए



प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी कला एवं कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के परिणामों की जानकारी देते हुए प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी अमृता चौधरी ने बताया कि नुक्कड़ नाटक समूह प्रतियोगिता में शारदा यूनिवर्सिटी ने प्रथम तथा ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल, खेड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य समूह प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल, सिरसा ने प्रथम तथा गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के अखिल ने प्रथम, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल, सिरसा की परीक्षा बंसल ने द्वितीय तथा इसी विद्यालय की आरुषि बंसल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कविता लेखन प्रतियोगिता में सिद्धि दात्री ने प्रथम, अंशिका ने द्वितीय तथा श्रुति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं लोकगीत प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल के प्रवीण ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि यह प्रतियोगिता जनपद स्तर पर आयोजित की गई है। जनपद स्तर पर चयनित विजेता प्रतिभागी आगामी मंडल स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभाग कर जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता की तिथि पृथक से निर्धारित कर सूचित की जाएगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी अमृता चौधरी ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

# सेक्टर-117 के एकमात्र विकसित पार्क को बचाने के लिए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मिला आरडब्ल्यूए



**नोएडा।** नोएडा के सेक्टर-117 (5%) में गेट नंबर-03 के पास स्थित लगभग 500 वर्गमीटर के विकसित पार्क की भूमि पर तीन नए आवासीय भूखंड नियोजित किए जाने के मामले को लेकर आज आरडब्ल्यूए सेक्टर-117 के अध्यक्ष एडश्र कोसिंदर यादव ने नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी पुष्प राज सिंह से मुलाकात कर प्रकरण से संबंधित सभी आवश्यक साक्ष्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत किए। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने ए सी ई ओ को अवगत कराया कि उक्त भूमि सेक्टर की स्थापना के समय से ही पार्क/ग्रीन बेल्ट के लिए आरक्षित है* तथा नोएडा प्राधिकरण के वर्ष 2017 के मूल ले-आउट प्लान में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है। वर्ष 2022-23 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा इसी भूमि पर टेंडर एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कर फुटपाथ, बाउंड्रीवॉल, लोहे की जाली,गेट, घास, पौधे एवं हेज आदि लगाकर एक सुंदर पार्क विकसित किया गया था जिसकी वर्तमान तक प्राधिकरण के होर्टीकल्चर विभाग नियमित देख-भाल व पेड पौधे नलाई-गुड़ाई का कार्य कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सेक्टर-117 (5%) के क्षेत्र में पहले कोई पार्क उपलब्ध नहीं था। ऐसे में यह छोटा सा पार्क पिछले लगभग तीन-चार वर्षों से सेक्टरवासियों, विशेषकर छोटे बच्चों के लिए खेलने-कूदने एवं निवासियों के टहलने का एकमात्र स्थानीय सार्वजनिक स्थान बना हुआ है।

आरडब्ल्यूए ने इस बात पर गंभीर आपत्ति जताई कि जिस भूमि को मास्टर प्लान के अनुसार मूल ले-आउट प्लान में पार्क/ग्रीन बेल्ट के लिए आरक्षित किया गया था और जिस पर स्वयं प्राधिकरण ने सरकारी धनराशि खर्च कर पार्क विकसित किया, उसी भूमि पर अब तीन नए भूखंड नियोजित किए जा रहे हैं। ऋ्रु ने इस पूरे प्रकरण में मूल मानचित्र एवं वर्तमान प्रस्तावित नियोजन की जांच कराने तथा पार्क की भूमि को किसी भी प्रकार के आवासीय उपयोग में परिवर्तित न किए जाने की मांग रखी।

ए सी ई ओ पुष्प राज सिंह ने पूरे प्रकरण को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों एवं दस्तावेजों के आधार पर मामले की गहनता से जांच कराने हेतु नियोजन विभाग के प्रमुख विषेशकार्याधिकारी क्रांति शेखर सिंह को पूरे प्रकरण की जांच करा रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जांच में किसी भी अधिकारी अथवा अन्य व्यक्ति की संलिप्तता या अनियमितता सामने आने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आरडब्ल्यूए-117 एवं सेक्टर के समस्त निवासी विशेषकर छोटे बच्चे उम्मीद करते हैं कि नोएडा प्राधिकरण इस पार्क को उजड़ने से बचाएगा और इसे पूर्व की भांति सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखेगा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एडवोकेट कोसिंदर यादव ने कहा कि आज नोएडा तेजी से विकसित होता हुआ कंक्रीट का शहर बनता जा रहा है। ऐसे में बढ़ती आबादी के अनुपात में पार्क, हरित क्षेत्र एवं पेड़-पौधों की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। स्वच्छ हवा, स्वस्थ जीवन और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उपलब्ध हरित क्षेत्रों को संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में पहले से विकसित एवं आबाद पार्क को समाप्त करने के बजाय उसका संरक्षण किया जाना चाहिए।

# कंपनी के सिस्टम में सेंध लगाकर 23 लाख से अधिक की ठगी

**नोएडा।** साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन लोन उपलब्ध कराने वाली कंपनी के सिस्टम में सेंध लगाकर बैंक खाते से 23.40 लाख रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए। आरोपियों ने एक अन्य खाते में 98.70 लाख रुपये भेजने का भी प्रयास किया, लेकिन ट्रांजेक्शन पूरी नहीं हो सकी। रिकवरी मैनेजर की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-69 स्थित आरएनवीपी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड आईटूआई फंडिंग डॉट कॉम के नाम से ऑनलाइन लोन देने का कारोबार करती है। कंपनी के रिकवरी मैनेजर सचिन शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी कि ऋण वितरण और रिकवरी से संबंधित वित्तीय लेनदेन कंपनी के सिस्टम के माध्यम से किए जाते हैं। साइबर अपराधियों ने कंपनी के सीआरएम सिस्टम और बैंकिंग प्रक्रिया से जुड़ी जानकारियां हासिल कर खाते तक पहुंच बनाई। इसके बाद अधिकृत प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए रकम अलग-अलग बैंक खातों में भेज दी। पांच नवंबर को लक्ष्मीपुरम नाम से संचालित खाते में 19.90 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। इसी दिन फलटण नाम के खाते में 50 हजार रुपये भेजे गए। इसके दो दिन बाद सात नवंबर को बीके इंजीनियरिंग वर्क्स के खाते में तीन लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए गए। इस तरह आरोपियों ने कुल 23.40 लाख रुपये निकाल लिए। सात नवंबर को ही अवध कंस्ट्रक्शन एंड सेल्स के खाते में 98.70 लाख रुपये भेजने का प्रयास किया गया, लेकिन यह लेनदेन सफल नहीं हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम आंध्र प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र से जुड़े बैंक खातों में भेजी गई। इनमें आंध्र प्रदेश के गुंटूर, बिहार के मुजफ्फरपुर और महाराष्ट्र के फलटण स्थित बैंक शाखाओं के खाते शामिल हैं। पुलिस इन खातों के संचालकों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही संबंधित बैंकों से संपर्क कर खातों में उपलब्ध रकम को फ्रीज कराने और आगे निकासी रोकने की कोशिश की जा रही है।

**कंपनी ने साक्ष्य उपलब्ध कराए:** कंपनी ने अपनी शिकायत में पुलिस को सीआरएम सिस्टम के लॉग, आईपी एड्रेस और बैंक खातों से संबंधित जानकारियां भी उपलब्ध कराई हैं। जांच एजेंसियां इन डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कंपनी के सिस्टम में सेंध किस तरह लगाई गई और रकम ट्रांसफर करने के लिए किस स्तर पर तकनीकी पहुंच हासिल की गई। पुलिस बैंक खातों के लाभार्थियों और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। किराये के खाते में ठगी की रकम ट्रांसफर होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का दावा है कि ठगी से संबंधित अहम जानकारी मिली है।

# मुरादाबाद के मुंडापांडे थाने में भाकियू लोकशक्ति के पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच की मांग



**नोएडा।** आज भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान बरौला के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर तहसीलदार के.के. चौरसिया को मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुरादाबाद जनपद के मुंडापांडे थाना क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के छह पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

संगठन का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए तथा यदि किसी के द्वारा गलत तरीके से या दुर्भावनावश मुकदमे दर्ज कराए गए हैं तो संबंधित दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर चौधरी बीसी प्रधान बरौला ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) हमेशा किसानों और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से लड़ती आई है। संगठन के पदाधिकारियों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर पीड़ित पदाधिकारियों को न्याय दिलाना चाहिए।

इस दौरान मुख्य रूप से ओमप्रकाश गुर्जर, चरण सिंह चौहान, हरेन्द्र बैसोया, ओमदत्त चौहान, राजकुमार मोनू, अरूण गौतम, सुनील बैसोया, महेश बैसोया, रोकी बैसोया, धर्मेन्द्र बैसोया, पम्मी गुर्जर,जोगेंद्र चपराना, प्रमोद प्रजापति,रामवीर तवंर ,सोनू बंसल संजीव चपराणा अंकित अवाना सोरव तवंर अभिषेक अवाना जीतसिह जितेंद्र बैसोया लिलू चौहान, प्रवीन चौहान,निखिल बैसोया, अमरपाल बैसोया सिंधू ,धनंजय, कुलदीप, अरुण दादा, अरविंद जाटव, पुष्पेंद्र चौधरी, परमजीत तंवर इत्यादि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# नहाय-खाय के साथ आज से हो रहा है चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ

**नोएडा।** हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है, उसमें पारिवारिक और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

आज विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार, इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें। छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।

सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां नोएडा के कई सेक्टरों में जोरों से चल रही हैं। सेक्टर-82 पॉकेट -7 सेन्ट्रल पार्क में श्री छठ पूजा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।महोत्सव की आयोजक संस्था नोएडा केअंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद एवं आर .डब्लू .ए एवं छठ पूजा समिति के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि समिति द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने हेतु छठव्रतियों के लिए सेक्टर-82 पॉकेट 7 स्थित सेंट्रल पार्क में 60 फीट लंबा,25 फीट चौड़ा और 4 फीट गहरा छठ घाट का निर्माण हो चूका है। निर्माण कार्य अब पूरा कर लिया है। छठ घाट में अर्घ्य हेतु शुद्ध गंगाजल जल की व्यवस्था की जायेगी। घाट पर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था रहेगी।घाट और पार्क को साफ- सुथरा किया जाएगा।

श्री छठ पूजा महोत्सव के आयोजकअंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद एवं आर .डब्लू .ए एवं छठ पूजा समिति के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा की व्यवस्था कर लिया गया है एवं खरना प्रशाद ग्रहण करने के वाद 36 घंटे का अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य प्रदान करने के उपरांत पुरे रात कीर्तन भजन होगा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के



साथ ही लोक आस्था एवं सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन होगा छठ पूजा करने से सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा कि छठ पूजा का विधि विधान इस प्रकार है छठ पूजा में दो बड़े बांस की टोकरी जरूरी है, जिन्हें लोकभाषा में पथिया और सूप के नाम से जाना जाता है। इसके साथ डगरी, पोनिया, ढाकन, कलश, पुखार, सरवा का होना भी जरूरी है।बांस की टोकरी में भगवान सूर्य को भोग लगाने के लिए प्रसाद रखा जाता है। जिनमें ठेकुआ, भुसवा, सुपारी, मखान, अक्षत, अंकुरी, गन्ना, अघौती को रखा जाता है। बता दें कि टोकरी में पांच प्रकार के फल शरीफा, केला, नाशपाती, नारियल और बड़ा वाला नींबू जिसे डाभ कहते हैं, का होना आवश्यक होता है। साथ ही पंचमेर यानि पांच रंग के मिठाई रखे जाते जाते हैं। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि जिस टोकरी में छठ पूजा के लिए प्रसाद रखा जाएगा उनपर सिंदूर और पिठार जरूर लगाएं।छठ पूजा के दिन व्रती महिलाएं व्रत कथा सुनने के बाद भगवान सूर्य को अर्घ्य दें। अर्घ्य देने के लिए गाय का दूध आवश्यक माना जाता है। इसके बाद लाए गए सभी समाग्रियों से भगवान सूर्य को भोग लगाएं और परिवार के सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें। भगवान सूर्य की पूजा के लिए चंदन, अगरबत्ती रखे। छठ पूजा समिति पॉकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने कहा कि हर साल के तरह इस साल भी 24वा छठ पूजा का आयोजन सेन्ट्रल पार्क पॉकेट -7 सेक्टर 82 नोएडा में घाट की पूरी तैयारी पूरी कर लिया गया है 13.11.2026 को नहाई खाई 14.11.2026 को खरना एवं 15.11.2026 डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा एवं 16.11.2026 को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर समापन होगा आप सभी सादर आमंत्रित

इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे संस्था के शैलेन्द्र मिश्रा ,पप्पू सिंह ,अमरेश झा ,रामभरोष झा ,संतोष यादव ,जीतेन्द्र सिंह ,विजय कुमार झा ,बलराम कर्ण ,किशुन जी झा ,दिलीप राइ ,गोर लाल ,मुरारी झा ,शिवा चौधरी ,संजय पांडेय के .के .झा ,अनूप सिंह ,हरी शंकर तिवारी ,अशोक दास ,विजेंद्र सिंह ,रुपेश झा ,संटू मिश्रा ,विजय जी ,अजित मिश्रा ,अजय झा ,शंकर झा ,प्रकाश झा ,आंनद झा ,अरुण ठाकुर ,फूल राइ ,देव मणि शुकला ,संजय शुकला ,रवि राघव ,पंकज मिश्रा ,सुशिल पाल ,नंदकिशोर सोलंकी ,एस .के .तिवारी ,मदन सिंह ,राम बाबू झा ,मनोज झा ,गोविन्द मिश्रा ,अरविन्द सिंह ,अंजनी झा ,अंजनी सिंह ,शशि भूषण सिंह ,पंकज सिंह ,आशीष मिश्रा ,सुबोध सिंह ,कालू सिंह ,पंकज ठाकुर ,चन्दन चौधरी ,मनीष पांडेय ,राघवेंद्र चौधरी ,राजेश जी ,अटल बिहारी गुप्ता ,एस ,के पांडेय ,राहुल कुमार ,एस के रथ ,सी ,एल .पांडेय ,देवेंद्र गुप्ता ,सत्शंकर दास मुकेश मिश्रा अभिनाश नंदन शर्मा संजय कुमार झा ,विनोद राजपूत , आदित्य जी ,देवेंद्र गुप्ता ,हनुमान जी ,विष्णु कुमार शर्मा ,तिमिर वि दान ,नीरज शर्मा ,राहुल, दिनेश शुक्ला ,नन्द कुमार चौहान ,विशेस्वर झा ,देवा भैया प्रेम चंद्र झा ,संतोष मिश्रा और काफी लोग उपस्थित होंगे।

## चोरों ने शराब के ठेके की दीवार काटी

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे में गुरुवार रात12 बजे चोरों ने पुलिस चौकी के सामने स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके की पिछली दीवार काट दी। वे वहां से करीब 80 हजार रुपए कैश और करीब एक लाख रुपए की शराब ले गए। शुक्रवार सुबह कर्मचारी दुकान पहुंचे तो चोरी का पता चला। ठेके में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की घटना कैद हुई। ठेके के मालिक ने शुक्रवार शाम 6 बजे पुलिस में शिकायत दी।

दनकौर कोतवाली क्षेत्र के डेरीन गुजरान गांव के रहने वाले ठेका मालिक प्रेमपाल नागर ने पुलिस को बताया कि कर्मचारी गुरुवार रात रोज की तरह ठेका बंद कर घर चले गए थे। इसके बाद चोर पीछे की दीवार काटकर दुकान में घुसे और नकदी व शराब लेकर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह कर्मचारियों ने दीवार कटी देखी और मालिक व पुलिस को सूचना दी। प्रेमपाल नागर के मुताबिक, आरोपी दुकान में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी ले गए। एक कैमरा उनकी नजर से बच गया।

## जूनियर और सीनियर वर्ग के 12 प्रतिभागियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन, सीडीओ ने बच्चों के नवाचार की सराहना की

**गौतमबुद्धनगर।** नॉलेज पार्क-3 स्थित सीता एसआरएम इंजीनियरिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (स्ट्रञ्जस्क्रू) में शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को 'नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस-2026' (उत्तर प्रदेश पश्चिम) का भव्य आयोजन किया गया। नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार तथा नोडल एजेंसी इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए करीब 300 विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विज्ञान मॉडल और नवाचारी प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल के गहन मूल्यांकन के बाद जूनियर वर्ग से 6 और सीनियर वर्ग से 6, कुल 12 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सीडीओ ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडल्स का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थियों में नवाचार और समस्या समाधान की अद्भुत क्षमता है। इस प्रकार के वैज्ञानिक मंच बच्चों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक शोध एवं प्रयोगों के लिए प्रेरित करते हैं। यही प्रतिभाएं भविष्य में देश के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला समन्वयक गौतमबुद्धनगर डॉ. अर्चना शिरोमणि ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के करीब 300 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा सभी प्रोजेक्ट्स का गहन मूल्यांकन किया गया, जिसके बाद जूनियर एवं सीनियर वर्ग से 6-6 सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट्स का चयन किया गया। ये सभी 12 चयनित बाल वैज्ञानिक अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध

नगर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं, जिला सह-समन्वयक डॉ. सपना आर्या ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों, अभिभावकों और मेजबान संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता में प्रस्तुत विज्ञान परियोजनाओं का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में हंसराज नायक, प्रो. दिनेश, प्रो. वी.पी. सिंह, दीपेंद्र सिंह एवं आलोक शर्मा शामिल रहे। सभी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स का बारीकी से मूल्यांकन करते हुए उनकी वैज्ञानिक अवधारणा, उपयोगिता और नवाचार का आकलन किया।

# सेक्टर-105 के मासूम सितारे गढ़ रहे हैं स्वच्छ और स्वर्णिम भारत की तस्वीर

**नोएडा।** जब नन्हे कदम समाज को राह दिखाने निकलते हैं, तो हर मुश्किल आसान लगने लगती है। इस बाल दिवस पर नोएडा का सेक्टर-105 अपने उन मासूम बच्चों पर गर्व कर रहा है, जो अपनी कोमल उम्र में ही समाज और देश का मान बढ़ा रहे हैं।

एक ओर जहाँ स्टेप बाय स्टेप स्कूल के पाँच होनहार बच्चे–प्रशस्त कुमार, तिष्या पुरी, शिवनंदिनी धौल, यशवी टंडन और कबीर सिंह दयाल–हर महीने अपने नन्हे हाथों से झाड़ू थामकर सेक्टर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सेक्टर-105 (निवासी ए-56, सेक्टर-106) के मात्र साढ़े दस वर्षीय बाल निशानेबाज़ धनंजय नेहरा (सुपुत्र श्री समीर नेहरा) ने स्टेट और ओपन नेशनल में



क्वालीफाई करते हुए दिसंबर में होने वाली 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2026' में अपनी जगह पक्की कर पूरे शहर का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। धनंजय ने हाल ही में 2 से 5 नवंबर 2026 तक मोदीनगर में आयोजित 'ङ्क3स्र शूटिंग क्लब चैंपियनशिप' की सब-यूथ श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनआर और आईएसएसएफ दोनों ही वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नोएडा में आयोजित 'शूटिंग गुरु चैंपियनशिप 2026' के अंडर-12 वर्ग में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्वच्छता के इन नन्हे दूतों का हौसला बढ़ाने के लिए स्वयं नोएडा प्राधिकरण के जीएम श्री ए. के. अरोड़ा जी और जनस्वास्थ्य विभाग के जीएम श्री आर. एस. यादव जी भी समय-समय पर इनके बीच पहुँचते रहे हैं।

बाल दिवस के इस पावन अवसर पर इन बच्चों को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक होकर कहा कि जिस उम्र में बच्चे केवल खिलौनों से खेलते हैं, उस उम्र में हमारे क्षेत्र के ये नन्हे सितारे स्वच्छता की मशाल और राष्ट्रीय खेलों के पदक थामकर पूरे समाज को आईना दिखा रहे हैं। जब बच्चों की नीयत इतनी पवित्र और संकल्प इतना अटल हो, तो देश का भविष्य निसंदेह सबसे सुरक्षित और उज्ज्वल हाथों में है।

पूरा सेक्टर-105 परिवार आज अपने इन नन्हे चैंपियनों की मासूमियत, समर्पण और उपलब्धियों को सलाम करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य तथा धनंजय की आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्णिम जीत की कामना करता है।

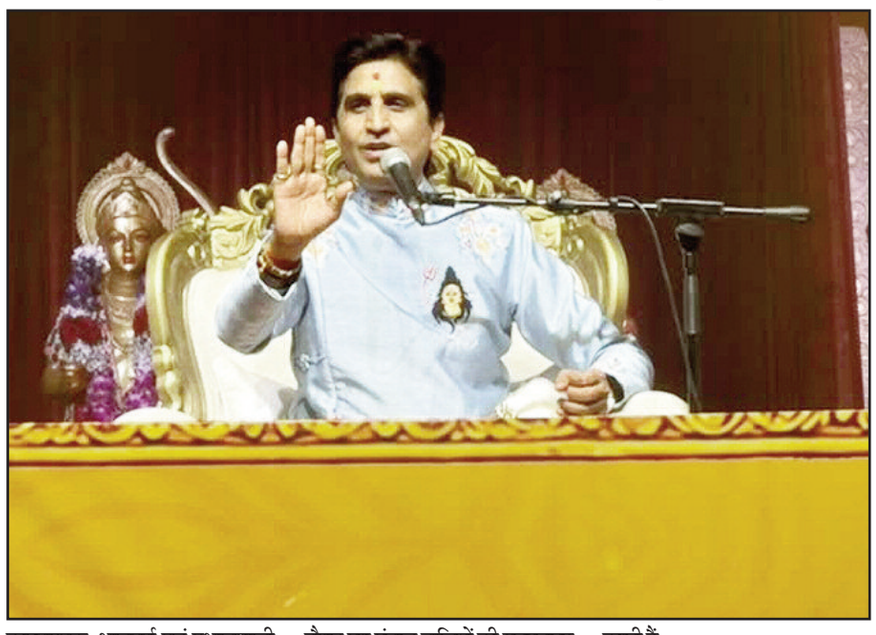
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

# अपने अपने राम कार्यक्रम में डॉ कुमार विश्वास की कथा सुन राम रस में डूबा नोएडा

**नोएडा।** समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं प्रमुख उद्यमी मुकेश शर्मा द्वारा नोएडा में पहली बार आयोजित तीन दिवसीय भव्य सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम 'अपने-अपने राम' का शुक्रवार को वर्ल्ड्स ऑफ वंडर, सेक्टर-38 नोएडा में शानदार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पहले ही दिन प्रख्यात कवि एवं रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास को सुनने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। भगवत्प्रेमी भक्तों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरा कार्यक्रम स्थल श्रोताओं से खचाखच भरा रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने रामकथा का आनंद लिया।



कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं उद्यमी मुकेश शर्मा ने अपने पूरे परिवार के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुकेश शर्मा एवं उनके परिवार के सदस्यों ने डॉ. कुमार विश्वास को प्रतीक चिन्ह भेंटकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अपने अपने राम के प्रथम दिवस डॉ. कुमार विश्वास ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के प्रसंग को अपनी विशिष्ट काव्यात्मक, भावपूर्ण एवं प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रभु श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा।

डॉ. कुमार विश्वास की रामकथा की चर्चित पंक्तियां भी इस आयोजन की भावना को खूबसूरती से व्यक्त करती हैं–

'राम सृष्टा भी हैं और सृष्टि भी,
राम दृष्टा भी हैं और दृष्टि भी।'

उनकी ऐसी ही काव्यात्मक अभिव्यक्तियां भगवान श्रीराम के व्यापक व्यक्तित्व और जीवन में उनके आदर्शों के महत्व को दर्शाती हैं।



इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक मुकेश शर्मा ने कहा कि 'अपने-अपने राम' केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से हमारा प्रयास युवा पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन, उनके आदर्शों, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और पारिवारिक मूल्यों से परिचित कराना है। आज की युवा पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे संस्कार और सकारात्मक विचार अपनाने चाहिए, जिससे समाज में एक अच्छा संदेश पहुंचे।

मुकेश शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचे हजारों श्रोताओं एवं अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी पूरी टीम सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, आवागमन सहित सभी आवश्यक सुविधाओं पर लगातार नजर रख रही है। किसी भी आगंतुक को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नोएडा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर 'अपने-अपने राम' का आयोजन करना उनके लिए सौभाग्य और गौरव का विषय है। इस आयोजन को सफल बनाने में उनके परिवार, सहयोगियों और पूरी आयोजन टीम का महत्वपूर्ण योगदान है।

तीन दिवसीय इस विशेष आयोजन में आगामी दिनों में भी डॉ. कुमार विश्वास भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को अपनी अनूठी शैली में प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, मानवीय मूल्यों और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

## फ्लैट के सौदे में उज्बेकिस्तान के डॉक्टर से धोखाधड़ी

**नोएडा।** सेक्टर-107 स्थित प्रतीक एडिफाइस सोसाइटी में दो फ्लैट दिलाने के नाम पर एक कारोबारी ने उज्बेकिस्तान के डॉक्टर से 2.65 करोड़ रुपये ले लिए। आरोप है कि कारोबारी ने दोनों फ्लैट अपनी पत्नी के नाम करा दिए। विरोध करने पर कारोबारी दंपति ने डॉक्टर को गुमराह किया और अब धमकी दे रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर कारोबारी और उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गाजियाबाद के लोनी स्थित बंथला गांव के मूल निवासी डॉ. जयवीर सिंह वर्तमान में उज्बेकिस्तान के नागरिक हैं। उनकी मैसर्स एमएलआर मेडिकेयर नाम से कंपनी है।

वर्ष 2018 से कंपनी में रमेश एल साझेदार हैं। दोनों चिकित्सकीय उपकरणों के कारोबार से जुड़े हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक वर्ष 2019 में रमेश ने निवेश का प्रस्ताव रखते हुए सेक्टर-107 की प्रतीक एडिफाइस सोसाइटी में दो फ्लैट खरीदने की सलाह दी। इसके बाद कंपनी के बैंक खाते से दोनों फ्लैट बुक कराए गए और 2.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। आरोप है कि रकम लेने के बाद रमेश ने दोनों फ्लैट अपनी पत्नी आर गीता के नाम पर पंजीकृत करा दिए। डॉक्टर को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने आपत्ति जताई और संपत्तियां अपने नाम कराने की मांग की। आरोप है कि काफी समय तक मामला टालने के बाद वर्ष 2025 में दंपति ने एक फ्लैट का कब्जा तो दे दिया, लेकिन उसका मालिकाना हक डॉक्टर को नहीं सौंपा। दूसरा फ्लैट भी उनके नाम नहीं कराया गया।डॉ. जयवीर का कहना है कि साझेदार ने टैक्स बचाने का हवाला देकर कंपनी की रकम का इस्तेमाल कराया और बाद में संपत्तियों पर अपना अधिकार जमा लिया। इतना ही नहीं कंपनी के बैंक खाते से जुड़े मोबाइल सिम को भी बंद करा दिया गया, जिससे वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी हासिल करने में परेशानी हुई। पीड़ित ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी।

## इंटीरियर फैक्टरी में लगी भीषण आग, आठ गाड़ियों ने दो घंटे में पाया काबू

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ईकोटेक-2 उद्योग केंद्र स्थित उद्योग विहार एक्सटेंशन में एक इंटीरियर फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठते देखकर आसपास की फैक्टरियों में काम कर रहे कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

जानकारी के अनुसार, आग इंटीरियर फैक्टरी की बाहरी बिल्डिंग में शुरू हुई थी। देखते ही देखते इस आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग के आसपास की अन्य इमारतों तक फैलने की आशंका बनी हुई थी। इस खतरे को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन आसपास की फैक्टरियों को तुरंत खाली करा लिया। इसके तुरंत बाद



दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का राहत अभियान तेजी से शुरू कर दिया।

**आठ दमकल गाड़ियों ने दो घंटे में पाया काबू:** एफएसओ ईकोटेक-3 अजय कुमार ने बताया कि आग लगने की जानकारी मिलते ही दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था। दमकल की आठ गाड़ियों की मदद से कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इस कार्य में पुलिस बल का पूरा सहयोग रहा।

**हादसे में नहीं हुई कोई जनहानि:** पुलिस के अनुसार, इस अग्निकांड की घटना में किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग लगने के मुख्य कारणों का पता लगाया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### पिस्टल दिखाकर धमकाने का आरोप

**नोएडा।** सेक्टर 73 स्थित सर्फाबाद गांव के आसरा अपार्टमेंट में पड़ोसी पर पिस्टल दिखाकर धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता रेनू ने एसीपी से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रेनू के मुताबिक वह पति और परिवार के साथ अपार्टमेंट में रहती हैं। उनके पति सीआरपीएफ में जवान हैं। आरोप है कि सोसाइटी में रहने वाले संतोष, गणेश, विनीता और श्रीदेवी उनसे रंजिश रखते हैं। आरोपियों ने 22 अक्टूबर को बिजली, पानी और सीसीटीवी कैमरों के कनेक्शन काट दिए। विरोध करने पर विवाद हुआ और गणेश ने पिस्टल दिखाकर धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं करने और जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि घटना के ऑडियो, वीडियो और सीसीटीवी फुटेज भी सुरक्षित नहीं किए गए। एसीपी राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

**नोएडा।** सेक्टर-18 स्थित निजी बैंक के पास नोएडा नंबर की सफेद कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। सेक्टर-20 थाने में दी शिकायत में जेजे कॉलोनी निवासी सोनू ने बताया कि तीन नवंबर को उसके पिता फूल सिंह बाइक से सेक्टर-18 होते हुए घर आ रहे थे। जब वह एचडीएफसी बैंक के सामने पहुंचे तो पीछे से तेजी से आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया। राहगीरों ने घायल बाइक सवार को नजदीक के अस्पताल पहुंचाया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बाइक में टक्कर मारने वाली कार का नंबर भी उपलब्ध कराया है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। टक्कर लगने से बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

### एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

**नोएडा।** एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की आम बैठक उप निबंधक रजिस्ट्रार कार्यालय परिसर सेक्टर गामा-दो में आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के सभी सम्मानित सदस्य शामिल हुए। सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष रणवीर नागर को अध्यक्ष, दिनेश शर्मा को सचिव, मोहित भाटी, मनोज भाटी और हिमांशु सेन को उपाध्यक्ष, राजेश भाटी व डेविड राज गोला को सह सचिव, दिवाकर सिनसिनवार को कोषाध्यक्ष, जिया खान को सांस्कृतिक सचिव और विकास सक्सेना को विधिक सलाहकार मनोनीत किया गया है। यह जानकारी समस्त निर्वाचन अधिकारी, एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन, सदर गौतमबुद्ध नगर द्वारा दी गई।

### नोएडा-ग्रेनो के मेट्रो स्टेशनों के नाम गांवों पर रखने की मांग

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो की मंजूरी मिल जाने पर भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया। संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को सांसद डॉ. महेश शर्मा के कार्यालय पर उनसे भेंट कर इसके लिए आभार जताया। प्रतिनिधि मंडल ने सांसद से मांग करते हुए कहा है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी मेट्रो स्टेशनों के नाम संबंधित मूल गांवों के नाम पर रखे जाएं। जिससे गांवों की भी पहचान कायम रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की पैतृक भूमि पर बसे आधुनिक शहरों और मेट्रो कॉरिडोर के बीच गांवों की ऐतिहासिक पहचान बनी रहनी चाहिए।

अब तक बन चुके और बनने जा रहे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के मेट्रो स्टेशनों के नाम बदलकर उन गांवों के नाम पर रखने की मांग की गई, जिनकी भूमि पर स्टेशन बने हैं। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने मांग पर सहमति जताते हुए कहा कि किसानों का सम्मान सर्वोपरि है और दिल्ली मेट्रो की तर्ज पर संबंधित स्टेशनों के नाम स्थानीय गांवों के नाम पर रखे जाएंगे। उन्होंने संबंधित मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार और नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) के अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में रत्नापाल यादव दीपू यादव, बिजेंद्र यादव, रहसुदीन, रवि, राजेश पहलवान, कैलाश और अजब चौहान सहित अन्य लोग शामिल थे।

### इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान संजय की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शुक्रवार शाम 6 बजे पुलिस से शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवादा गांव के राजेंद्र ने शिकायत में बताया कि 10 नवंबर को दोपहर 3 बजे उनके भाई संजय की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। वह उन्हें इलाज के लिए दनकौर के निजी अस्पताल ले गए। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर ने संजय को इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई। कुछ देर बाद अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर ने उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया। वहां डॉक्टरों ने बताया कि संजय की मौत पहले ही हो चुकी थी। घटना के दिन पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर शव का पोस्टमॉर्टम कराया था। रिपोर्ट में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। इसके बाद पुलिस ने संजय का विसरा जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## भाकियू लोकशक्ति की पहल पर साई क्रिएशन्स मामला सुलह से समाप्त, दुकानदार ने मानी गलती

**नोएडा।** सेक्टर-18 स्थित साई क्रिएशन्स और उपभोक्ता के बीच चल रहा विवाद आज पंचायत में सुलह के साथ समाप्त हो गया। आज भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया , जिसकी अध्यक्षता श्री चरण सिंह चौहान और संचालन श्री ओमप्रकाश गुर्जर ने किया, दुकानदार सार्वजनिक रूप से पंचायत में उपस्थित हुए।

पंचायत में दुकानदार ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए खेद व्यक्त किया और उपभोक्ता को नई घड़ी बदल कर दी।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान बरौला ने कहा - 'हमारा उद्देश्य किसी दुकानदार को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को न्याय दिलाना था। दुकानदार द्वारा गलती मानकर सम्मानजनक समाधान करना स्वागत योग्य कदम है। हम भविष्य में भी



उपभोक्ता हितों के लिए खड़े रहेंगे।'

संगठन ने सुलह के लिए दुकानदार का धन्यवाद किया और धरना शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने की घोषणा की।

इस मौके पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष हरेन्द्र बैसोया, ओमदत्त चौहान, युवा अध्यक्ष राजकुमार मोनू, अरूण गौतम, सुनील बैसोया, महेश बैसोया, रोकी बैसोया, धर्मेन्द्र बैसोया, पम्मी गुर्जर, जोगेंद्र चपराना, प्रमोद प्रजापति,रामवीर तवंर ,सोनू बंसल संजीव चपराणा अंकित अवाना सोरव तवंर अभिषेक अवाना जीतसिह जितेंद्र बैसोया लिलू चौहान, प्रवीन चौहान,निखिल बैसोया, अमरपाल बैसोया सिंधू ,धनंजय, कुलदीप, अरुण दादा, अरविंद जाटव, पुष्पेंद्र चौधरी, परमजीत तंवर इत्यादि सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

## अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के लिए प्रक्रिया शुरू

**यमुना सिटी।** अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय से अटकी वित्तीय व्यवस्था को भी अगले सप्ताह तक पूरा करने का दावा किया गया है। परियोजना का निर्माण शुरू करने के लिए कंपनी को एक हजार करोड़ का ऋण मिल गया है। जल्द ही फिल्म सिटी का शिलान्यास होने की संभावना जताई गई है। कंपनी को पिछले वर्ष ही भूमि आवंटित हो चुकी है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ ने शुक्रवार को प्राधिकरण के सभागार में विकासकर्ता कंपनी बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्हें वित्तीय औपचारिकता (फाइनेंशियल क्लोजर) की प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा। इस बैठक में फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के सीईओ आशीष भूटानी शामिल हुए। यमुना सिटी के सेक्टर-21 में एक हजार एकड़ में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी प्रस्तावित है। इसका पहला चरण 230 एकड़ में पूरा होगा। प्राधिकरण कंपनी को भूमि का आवंटन से लेकर निर्माण के लिए मास्टर प्लान तक को मंजूरी दे चुका है। इसके बावजूद अब तक काम शुरू नहीं हुआ। शुक्रवार को इस संबंध में सीईओ ने नाराजगी भी जाहिर की और काम जल्द शुरू करने के आदेश दिए। सीईओ ने कहा कि यदि कंपनी इसी माह में फाइनेंशियल क्लोजर से जुड़ा कार्य पूरा नहीं करती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कंपनी की ओर से बताया गया कि निर्माण के लिए एक हजार करोड़ रुपये का लोन मिल चुका है। इसके कागजात भी दिखाए। अब कंपनी और प्राधिकरण के वित्तीय विभाग के बीच बैठक होगी। इसमें फाइनेंसियल क्लोजर की प्रकिया पूरी की जाएगी। उम्मीद है कि अगले हफ्ते तक फाइनेंसियल क्लोजर का काम पूरा हो जाएगा।

## ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो का अगले सप्ताह जारी होगा टेंडर

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) अगले सप्ताह तक इसके लिए टेंडर जारी करेगा।

एजेंसी का चयन होने के बाद जनवरी 2027 से निर्माण कार्य शुरू कराने का लक्ष्य रखा गया है। करीब 2390 करोड़ रुपए की इस परियोजना से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की लगभग आठ लाख आबादी को सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। दिसंबर में परियोजना का शिलान्यास पीएम या सीएम कर सकते हैं।

सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-4 यानी किसान चौक तक 8.449 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस रूट पर पांच स्टेशन होंगे। इनमें सेक्टर-61, सेक्टर-70, सेक्टर-122, सेक्टर-123 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर-4 शामिल हैं। निर्माण पूरा होने में करीब दो साल लगने का अनुमान है।

**दो मेट्रो नेटवर्क से जुड़ेगा ग्रेनो वेस्ट:** इस कॉरिडोर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके जरिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोगों को दिल्ली और नोएडा के मौजूदा मेट्रो नेटवर्क से कनेक्टिविटी मिलेगी। सेक्टर-61 स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन से इंटरचेंज की सुविधा होगी। वहीं, सेक्टर-51 स्टेशन पर मौजूदा एक्वा लाइन से जुड़ाव मिलेगा। इससे दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच आवागमन आसान होगा।

अभी ग्रेटर नोएडा वेस्ट से नोएडा और दिल्ली जाने के लिए बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों और बसों का इस्तेमाल करते हैं। सुबह और शाम के समय गौर चौक समेत प्रमुख सड़कों पर वाहनों का दबाव रहता है। मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

## गरीबों की सेवा के साथ मनाई स्वर्गीय एस. कृष्णमूर्ति जी की प्रथम पुण्यतिथि

**नोएडा।** अपने पिता स्वर्गीय एस. कृष्णमूर्ति जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर गौतम बुध नगर साउथ इंडियन एसोसिएशन के अध्यक्ष, नोएडा अभिभावक संघ के महासचिव एवं प्रमुख समाजसेवी डॉ. के. अरुणाचलम एवं उनके पूरे परिवार के साथ नोएडा के सेक्टर-17 स्थित झुग्गी बस्ती में जरूरतमंद लोगों एवं बच्चों को भोजन वितरित किया। यह पुनीत सेवा कार्य दीदी की रसोई ट्रस्ट के सहयोग से संपन्न किया गया। इस नेक पहल के माध्यम से डॉ. अरुणाचलम एवं उनके परिवार ने अपने दिवंगत पिता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जरूरतमंदों के बीच प्रेम, करुणा और मानवता का संदेश दिया। किसी दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके संस्कारों और आदर्शों को समाज सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता के





माध्यम से सदैव जीवित रखा जाए। 26 अक्टूबर 1943 को तमिलनाडु में जन्मे श्री एस. कृष्णमूर्ति का स्वर्गवास 13 नवम्बर 2025 को नोएडा में हो गया। स्वर्गीय एस. कृष्णमूर्ति भारत सरकार के श्रम मंत्रालय में प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वे वर्ष 2003 में सेवानिवृत्त हुए तथा अपने परिवार के साथ सेक्टर 22, नोएडा में रह रहे थे। वे सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में अत्यंत सक्रिय रहते थे। वे सेक्टर 22, नोएडा के जी-ब्लॉक स्थित गणेश मंदिर के अध्यक्ष भी थे तथा सेक्टर 42, नोएडा स्थित कांची शंकर मठ में भी अपनी सेवाएँ सक्रिय रूप से स्वेच्छा से प्रदान करते थे। प्रथम पुण्यतिथि पर शुक्रवार को परिवार के सदस्य डॉ के. अरुणाचलम एवं श्रीमती लक्ष्मी अरुणाचलम पुत्र एवं पुत्रवधू,

श्रीमती विद्या एवं संजय छाबड़ा पुत्री एवं दामाद, के. श्रीराम एवं श्रीमती अनुषा पुत्र एवं पुत्रवधू, आदित्य, कनिषा, किन्शुक, श्रीषा एवं आराध्या पौत्र, पौत्रि, नाती एवं नातिन ने श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया।

### 50000 से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

# आनंद विहार स्टेशन पर उमड़ी भारी भीड़

**नईदिल्ली, एजेंसी।** छठ महापर्व पर घर जाने वालों भीड़ आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर देखने को मिली। बिहार और पूर्वांचल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सफर करने के लिए बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंचे।

बुधवार को रेलवे स्टेशन से 50 हजार से अधिक यात्री अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण रेलवे प्रशासन को भीड़ नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया का सहारा लेना पड़ा।




उधर, बस अड्डे पर भी खासी भीड़ देखी गई। जो यात्री ट्रेन से नहीं जा सके वे बसों के ब्रेक जर्नी कर अपने घरों के लिए रवाना हुए। शुक्रवार से शुरू हो रहे छठ महापर्व के चलते गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग घर जाने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन से रवाना हुए। पूर्वांचल और बिहार जाने वाली बीस ट्रेनों के अलावा सात विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया गया था। यात्री सुमित साहू ने बताया कि छठ पर परिवार के साथ बिहार जाना है। भीड़ इतनी अधिक है कि बच्चों और सामान को संभालना मुश्किल हो रहा है। ट्रेन का इंतजार भी काफी देर तक करना पड़ा। विशेष झा ने बताया कि त्योहार पर घर पहुंचने की जल्दी है। भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म तक पहुंचने और ट्रेन में सवार होने में परेशानी हुई।

रेलवे स्टेशन के साथ आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी यात्रियों का हुजूम उमड़ा। प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या और बनारस जाने वाली बसों में सवार होने के लिए लोग इंतजार करते रहे। परिवार और सामान के साथ यात्री जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने की कोशिश में जुटे रहे।

### प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़

इसके लिए सुबह से ही लोग स्टेशन पहुंचने लगे। टिकट लेने के बाद प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर उन्हें होल्डिंग एरिया में रोका गया। प्लेटफार्म पर जगह बनने और ट्रेन आने के अनुसार यात्रियों को आगे जाने दिया गया।इसके बावजूद यात्रियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। सिर पर बैग और हाथों में बच्चों का सामान लिए लोग ट्रेन पकड़ने के लिए बेताब दिखे। फुटओवर ब्रिज पर भी यात्रियों की आवाजाही का दबाव बना रहा। सुरक्षा कर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

## डीयू के सत्यवती कॉलेज में छात्रा से यौन उत्पीड़न के आरोप, महिला आयोग ने प्रिंसिपल से मांगा जवाब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में एक छात्रा द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वत संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने और निष्पक्ष व समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ब्योरा (एक्शन टेकन रिपोर्ट) संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों के साथ मांगा है। साथ ही आरोपों की जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने कॉलेज प्रशासन को परिसर में छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को सक्रिय और प्रभावी बनाने और यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कालेज में जरूरी संस्थागत व्यवस्थाएं की जाएं।

## संक्षिप्त समाचार

### मोदी मंत्रिपरिषद की बैठक 18 नवंबर को होने की संभावना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 नवंबर को अपने पूरे मंत्रिपरिषद के साथ बैठक



कर सकते हैं। इस दौरान उनसे शासन, सुधारों और कल्याण एवं विकास योजनाओं के संबंध में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। यह बैठक उस जारी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मंत्रियों को सरकार के सामने आने वाले मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री 18 नवंबर की शाम को वार्षिक भारत-आसियान शिखर सम्मेलन से लौटने के तुरंत बाद अपनी मंत्रिपरिषद के साथ बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में शासन, सुधारों, कल्याणकारी और विकास योजनाओं के बारे में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक, जिसे चिंतन शिविर कहा गया था सितंबर में हुई थी। मंत्रिपरिषद की आगामी बैठक में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है कि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर सरकारी योजनाओं के वितरण तंत्र (डिलीवरी मैकेनिज्म) को और कैसे बेहतर बनाया जाए।

### संगठित अपराध और ड्रग्स तस्करी बर्दाश्त नहीं: शाह ने दिल्ली पुलिस को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई को और मजबूत करने का निर्देश दिया. उन्होंने राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आस-पास के इलाकों में चल रहे क्रिमिनल नेटवर्क को खत्म करने के लिए एक समन्वित रणनीति बनाने पर बल दिया. सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में चार घंटे तक चली हाई-लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने सीनियर पुलिस अधिकारियों से ऑर्गनाइज्ड क्रिमिनल एक्टिविटीज से निपटने और उभरती सिक्योरिटी चुनौतियों का ज़्यादा असरदार जवाब देने के लिए बड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्टैंडर्ड) बनाने को कहा. गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस और पड़ोसी एनसीआर शहरों में उनके समकक्षों के बीच ज़्यादा समन्वय बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया. ताकि क्रिमिनल लोगों को अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का फ़ायदा उठाने से रोका जा सके. प्रस्तावित कोऑर्डिनेशन सिस्टम से इंटेलिजेंस-शेयरिंग मज़बूत होने, ऑपरेशनल रिस्पॉन्स बेहतर होने और इंटर-स्टेट या इंटर-सिटी मौजूदगी वाले क्रिमिनल नेटवर्क के खिलाफ जॉइंट एक्शन में मदद मिलने की उम्मीद है. मीटिंग में लेफ्टिनेंट गवर्नर टीएस संधू, यूनियन होम सेक्रेटरी गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार और दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए. मीटिंग की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मीटिंग में नेशनल कैपिटल में मौजूदा लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, मौजूदा पुलिसिंग इंतजाम और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी उपायों का रिव्यू किया गया. अमित शाह ने पुलिसिंग स्ट्रेटेजी को मजबूत करने और संगठित आपराधिक नेटवर्क, खासकर जो नारकोटिक्स डिस्ट्रीब्यूशन, गैर-कानूनी हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल हैं, उनसे निपटने के लिए ज़्यादा असरदार संस्थागत तरीका बनाने की जरूरत पर जोर दिया. छठ पूजा का त्योहार नजदीक आने पर गृह मंत्री ने पूरी दिल्ली में सुरक्षा और भीड़ मैनेजमेंट के इंतजाम का भी जायजा लिया. इस त्योहार को मनाने के लिए लाखों भक्तों के राष्ट्रीय राजधानी में 1,400 से ज़्यादा तय घाटों पर आने की उम्मीद है. कानून-व्यवस्था बनाए रखना दिल्ली पुलिस के लिए जरूरी हो गया है.

### दवा के पैकेट पर पुराना और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अधिक अंकित हो

# कैंसर की पुरानी दवाओं पर भी लागू होंगी नई कम कीमतें, एनपीपीए का ऐतिहासिक फैसला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कैंसर की दवाओं की कीमतें घटने के बाद अब पहले से बाजार में मौजूद पुरानी महंगी दवाएं भी संशोधित कम कीमत पर ही बेची जाएंगी। भले ही दवा के पैकेट पर पुराना और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अधिक अंकित हो। उन्हें भी नई कम कीमत पर ही बेचा जाएगा। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्पष्ट किया है कि पुराने स्टाक की आड़ में अधिक कीमत वसूलने की अनुमति नहीं होगी। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को दैनिक जागरण ने सबसे पहले उठाया था।

कीमतें घटने के बाद बाजार में पहले से मौजूद महंगे स्टाक का क्या होगा और क्या मरीजों को उस पर भी सस्ती दवा मिलेगी।



एनपीपीए ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए पुराने स्टाक की बिक्री में भी संशोधित कीमत का पालन सुनिश्चित करने की बात कही है। लागू किया है। इसके तहत व्यापारिक मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित किया गया है। संशोधित कीमतें नौ नवंबर 2026 से प्रभावी हो गई हैं। यह 30 प्रतिशत की सीमा दवा के कुल मूल्य पर नहीं, बल्कि व्यापारिक मार्जिन पर लागू होती है। सरकार के अनुसार, इस पहल से मरीजों को सालाना करीब 3540.38 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। एनपीपीए की 11 नवंबर 2026 तक कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर जारी अद्यतन मूल्य सूची में पुरानी और नई कीमतों का अंतर स्पष्ट है। उदाहरण के तौर पर अबिराटेरोन एसीटेट 250 मिलीग्राम की 120 गोलियों वाले एक ब्रांड का एमआरपी 30996 रुपये से घटकर 5580 रुपये हो गया है।

### सभी करें इस संशोधित कीमतों का पालन..

एनपीपीए ने इस आशय के दिए अपने आदेश में राज्य औषधि नियंत्रकों को दवा कंपनियों, वितरकों, अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों के स्तर पर संशोधित कीमतों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि सभी निर्माता, खुदरा विक्रेता, डीलर, स्टाकिस्ट, अस्पताल और मेडिकल संस्थान संशोधित कीमतों का पालन करें। अधिक कीमत वसूलने पर औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश 2013 के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुराने स्टाक और अधिक एमआरपी का जो मुद्दा उठाया था, उस पर अब नियामक ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। इसी दवा के दूसरे ब्रांड की 120 गोलियों की कीमत 26250 रुपये से घटकर 3916 रुपये रह गई है।

## टीबी के खिलाफ भारत की बड़ी कामयाबी, मौतों में 38 प्रतिशत की कमी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में तपेदिक (टीबी) के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। वर्ष 2015 के बाद से देश में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह गिरावट वैश्विक स्तर पर दर्ज 35 प्रतिशत की कमी से भी अधिक है। दवा-संवेदनशील टीबी के मरीजों में इलाज की सफलता दर बढ़कर 94 प्रतिशत हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2026 में 12 नवंबर को जारी ये आंकड़े बीमारी पर काबू पाने के भारत के प्रयासों को रेखांकित करते हैं। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बीमारी की शुरुआती पहचान, समय पर इलाज और मरीजों को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए एआइ की मदद से छाती के एक्स-रे की जांच, त्वरित आणविक परीक्षण और सक्रिय टीबी खोज अभियान चलाए जा रहे हैं। नि-क्षय पोषण योजना और नि-क्षय मित्र पहल के जरिये मरीजों को पौष्टिक भोजन और अन्य सहायता भी दी जा रही है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 7 दिसंबर 2024 से 8 नवंबर 2026 के बीच 25 करोड़ से अधिक लोगों को जांच के दायरे में लाया गया। इस दौरान शुरुआती पहचान के लिए 11 करोड़ से अधिक छाती के एक्स-रे किए गए, जबकि बीमारी की पुष्टि के लिए तीन करोड़ से अधिक न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) किए गए। जांच में टीबी के 48.64 लाख नए मामले सामने आए। इनमें 14.97 लाख ऐसे मरीज थे, जिनमें बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे थे। अभियान में बीमारी के हाटस्पॉट की पहचान और जोखिम वाले लोगों का पता लगाने के लिए एआई आधारित उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। खुशी एआई चैटबाट और अवतार वीडियोबॉट के जरिये लोगों तक टीबी से जुड़ी जानकारी पहुंचाई गई। सरकार का जोर खासतौर पर कमजोर और दूर-दराज के समुदायों तक जांच व इलाज की सुविधाएं पहुंचाने पर रहा है। टीबी कार्यक्रम की कुल वित्तीय जरूरतों का 96 प्रतिशत हिस्सा घरेलू संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।



## दिल्ली की हवा हुई जहरीली, 400 के पार पहुंचा एक्यूआई, बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा इस कदर जहरीली होती जा रही है कि अब यहां लोगों का सांस लेना तक दूभर हो चुका है। हर रोज सामने आ रहे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़े काफी डरावने हैं। कभी 400 पार तो कभी 500 पार तो कभी 600 पार और आज यानी की शुक्रवार को भी एक्यूआई 408 के करीब पहुंच गया। अगर इसी तरह से यह बढ़ोतरी जारी रही, तो वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली एक जहरीली गैस चैंबर में तब्दील हो चुकी होगी। बेहद डरावना राजधानी के विभिन्न इलाकों का सूरतेहाल.. वहीं, वायु गुणवत्ता के लिहाज से दिल्ली के विभिन्न इलाकों की स्थिति भी काफी डरावनी बनी हुई है। मंदिर मार्ग 278, आरके पुरम 271, लोधी रोड 262, अरबिंदो मार्ग 332, करोब बाग 328, ओखला 340, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 251 है। इस तरह से देखें, तो दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई अपनी गंभीर श्रेणी में पहुंच चुका है, जहां लोगों का सांस लेना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, सरकार की ओर से वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने की दिशा में कई तरह के प्रयास करने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन, जमीनी हकीकत इन दावों से कोसों दूर है और इन सबका खामियाजा अगर किसी को भुगतना पड़ रहा है।



## दिल्ली की यमुना को संवारने का प्लान तैयार, 20 नवंबर को बांसेरा में जुटेंगे एक्सपर्ट्स

### डीडीए तैयार करेगा रिपोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यमुना के कायाकल्प की योजनाओं को अब ठोस कार्ययोजना और जवाबदेही के ढांचे में ढालने की तैयारी है। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण 20 नवंबर को बांसेरा में ''यमुना संवाद'' आयोजित करेगा। एलजी तरनजीत सिंह संधू इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, सरकारी एजेंसियों, वैज्ञानिक संस्थानों, शहरी योजनाकारों और सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों के बीच यमुना के पुनरुद्धार पर मंथन होगा। चर्चा का केंद्र दिल्ली में यमुना का 52 किमी लंबा शहरी हिस्सा और उसका बाढ़ क्षेत्र रहेगा। इस संवाद का उद्देश्य यमुना को केवल नदी के रूप में नहीं, बल्कि उससे जुड़े बाढ़ क्षेत्र, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ विकसित करने की रणनीति तैयार करना है। डीडीए के अनुसार, इसके लिए छह विषयों पर अलग-अलग सत्र होंगे। इनमें नदी प्रबंधन की व्यवस्था, बाढ़ क्षेत्र की योजना और पारिस्थितिकीय उपाय, जल गुणवत्ता एवं जल निकासी, घाटों का विकास और नदी से लोगों का जुड़ाव, सतत वित्तपोषण तथा नई तकनीक और अनुसंधान शामिल हैं। डीडीए के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्रों में 1700 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर सक्रिय पुनर्स्थापन कार्य किया जा रहा है। अब तक 35 आर्द्रभूमियों को पुनर्जीवित करने और सात लाख से अधिक देशज वृक्ष लगाने का दावा किया गया है। इसके अलावा करीब 88 हजार मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट हटाया गया है। डीडीए के अनुसार, असिता में पक्षियों की दर्ज प्रजातियों की संख्या 63 से बढ़कर करीब 200 हो गई है। संवाद के छह सत्रों से निकलने वाली सिफारिशों को प्रस्तावित ''दिल्ली यमुना रिपोर्ट'' में शामिल किया जाएगा। इसमें प्राथमिकता वाले कार्यों, संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारियों, संभावित साझेदारियों और क्रियान्वयन की रूपरेखा तय करने का प्रयास होगा।



## फायदों के बावजूद अटका पुलिस का बड़ा रिफॉर्म सतीश गोलछा के जाने के बाद ठप पड़ा मामला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुंबई पुलिस की तर्ज पर दिल्ली पुलिस में भी जांच और कानून-व्यवस्था की टीमों को अलग-अलग करने की कवायद पूर्व पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के हटते ही फिर ठंडे बस्ते में चला गया।

बताया गया कि कम समय में दिल्ली पुलिस में कई बेहतर बदलाव लाने वाले गोलछा ने इस विषय पर भी 10 जुलाई को पुलिस मुख्यालय में सभी आला अधिकारियों के साथ बैठक की की थी और उन्हें इस बदलाव के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उनको आयुक्त पद से हटा देने पर यह मामला ठप पड़ गया है।

इस तरह की व्यवस्था अब तक केवल मुंबई पुलिस में है। दिल्ली में भी पिछले एक दशक में इस तरह की व्यवस्था बनाने के लिए दो से तीन बार प्रयास किए गए। कुछ जिलों के कुछ थानों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जांच और कानून व्यवस्था को अलग-अलग भी किया गया। कई महीनों तक यह सिलसिला चला भी, लेकिन पुलिसकर्मियों की भारी कमी



और आए दिन दिल्ली में अचानक धरना प्रदर्शन होने से यह व्यवस्था लागू कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। गोलछा ने बेहतर पुलिसिंग के लिए इस नियम को हर हाल में लागू करने का मन बना लिया था। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर जिले में एक-एक महिला थाना खोलने, साइबर अपराधियों के शिकार पीड़ितों की शिकायत पर तुरंत एफआइआर दर्ज करने, मकोका सेल बनाने, आपरेशन साय हाक शुरू करने जैसे निर्णय गोलछा द्वारा लिया गया बेहतर कदम माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस में हमेशा से पुलिस बल की भारी कमी रही है। इस नई व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करना तभी संभव हो पाएगा जब थानों में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाकर कम से कम दोगुनी की जाए अन्यथा, दोनों टीमों को अलग करने में व्यावहारिक परेशानियां आ सकती हैं।

## परिसीमन विधेयक में शामिल हो सकता है शाह का 50 प्रतिशत अतिरिक्त लोकसभा सीटों वाला फॉर्मूला, क्या बोली कांग्रेस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की योजना पर विचार कर रही है ताकि परिसीमन विधेयक, 2026 को पारित कराया जा सके। सरकार के अनुसार, यह विधेयक महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू करने से जुड़ा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि केंद्र को अपने पास मौजूद संख्याबल पर पूरा भरोसा है और उसके पास जरूरत से कम से कम 15-16 वोट ज्यादा हैं, लेकिन उन्होंने प्रस्तावित सत्र की तारीखों या उसकी अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत हासिल करने हेतु सरकार को 361 वोटों की जरूरत है। 543 सदस्यों वाले सदन में तीन सीटें खाली हैं। परिसीमन विधेयक में प्रस्तावित संशोधन के तहत लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का लक्ष्य है। इससे संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह 2011 की जनगणना पर आधारित होगा। सरकार का यह प्रस्तावित कदम ऐसे समय में आया है जब 17 अप्रैल को बजट सत्र की एक विशेष बैठक के दौरान इसी तरह का एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी संख्या बल हासिल करने में विफल रहा था। संसद को कम समय के नोटिस पर बुलाने की संभावना अभी भी बनी हुई है, क्योंकि मानसून सत्र अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। यह सत्र अब 91 दिनों से सत्रावसान के बिना चल रहा है, जिसने 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।अप्रैल में विपक्षी दलों खासकर दक्षिण भारत के दलों के साथ हुई बातचीत में सरकार ने कहा था कि वह सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव रखती है, ताकि 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बना रहे। इस प्रस्ताव का मकसद दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करना था, क्योंकि सरकार 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करना चाहती है।

## न्यूज़ीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज़ 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

# हेनरी के सामने टेके घूटने

### पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

**माउंट माउंगानुई ।** न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।




## कोहली-रोहित जीरो पर आउट

### कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

**माउंट माउंगानुई ।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

## 7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

### रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

**माउंट माउंगानुई ।** न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

## टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

### भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

**माउंट माउंगानुई ।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।




## विल यंग की शतकीय पारी

**माउंट माउंगानुई ।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

## किदांबी श्रीकांत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की एकतरफा जीत

**कुमामोटो ।** पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट, 'जापान मास्टर्स' के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एक रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 8 और स्थानीय खिलाड़ी कोडाई नारोका को हराया। श्रीकांत के साथ-साथ हाल ही में 'हाइलो ओपन' जीतने वाले लक्ष्य सेन भी अंतिम आठ खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक आसान जीत दर्ज की। नारोका के खिलाफ 0-4 के खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के बावजूद, श्रीकांत ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। इस गेम में वह 12-14 से पीछे चल रहे थे, लेकिन लगातार सात अंक जीतकर वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया और आखिरी गेम में शुरुआत में बढ़त भी बना ली। हालांकि, श्रीकांत ने अपना धैर्य नहीं खोया, स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर मैच पर नियंत्रण बनाते हुए 60 मिनट में 21-18 से जीत हासिल की।



इस सीजन में श्रीकांत की यह कोई पहली बड़ी जीत नहीं है। जून में यूएस ओपन के दौरान उन्होंने पेरिस 2024 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, मलेशिया के ली जी जिया को हराया था और टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा, सितंबर में उन्होंने कनाडा के तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को हराकर 'चाइना मास्टर्स सुपर 750' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना एक और जापानी खिलाड़ी और विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से होगा। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के डोंग तियान याओ को 35 मिनट में 21-8, 21-14 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

### अंडर-19 एशिया कप: नौवें खिताब के करीब टीम इंडिया; लक्ष्य की कप्तानी पारी

# फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

**अल अमेरात ।** भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए।

जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया।

### भारत ने जीते हैं सर्वाधिक खिताब

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है। भारत ने अंडर-19 एशिया कप रिकॉर्ड आठ बार जीता है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। भारतीय टीम ने 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019 और 2021 में खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा टीम दो बार 2024 और 2025 में उपविजेता रही है। भारत को पिछली बार फाइनल में पाकिस्तान से ही हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम इंडिया के पास पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका होगा।




### पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

**नई दिल्ली ।** आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं।

## 'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

**नई दिल्ली ।** ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100



प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं।'

कमिंस ने आगे कहा, 'उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है। मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते।'

### 'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट



**पर्थ ।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था।

लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। 'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था।